दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

ओएमजी 2 का क्रेडिट तक नहीं आइडिया मेरा था दिया गया : परेश

सनकी लड़की का रोल करना चाहती हूं

वर्ष : 12 | अंक : 205 | लखनऊ, 19 जुलाई, रविवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

यूक्रेनी ड्रोन हमले में 7 रूसी लोगों की मौत

मॉस्को। रूस में रात में यूक्रेन के ड्रोन हमलों में 7 लोगों की मौत हो गई और 51 अन्य घायल हो गए।

रूसी अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने रात में रूस की प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों को निशाना बनाया। इनमें से एक यूक्रेन की सीमा से लगभग 360 किमी दूर तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क कस्बे में और दूसरा मॉस्को से लगभग 50 किमी पूर्व स्थित इलेक्ट्रोस्टाल शहर में है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इसकी पुष्टि की है।

नॉर्वे में भीषण आग से 100 घर जलकर खाक

ड्रामेन। दक्षिणी नॉर्वे में लगी भीषण आग में 100 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। सैकड़ों

लोगों को यहां से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे ड्रामेन शहर में एक इमारत में आग लगी और देखते ही देखते आसपास के इलाके और नजदीकी जंगलों तक फैल गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे रहे।

चीन में भूस्खलन से 8 की मौत, बचाव कार्य जारी

चोंगकिंग। दक्षिण-पश्चिमी चीन के चोंगकिंग शहर में हुए भूस्खलन में कम से कम 8 लोगों की मौत हो

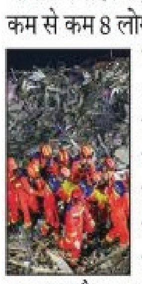

गई, जबकि 34 अन्य लापता हैं। बचाव दल शनिवार को जीवित बचे लोगों की तलाश में अभियान चला रहा है। यह भूस्खलन शुक्रवार सुबह चोंगकिंग नगर पालिका के बाहरी क्षेत्र स्थित पेंगशुई काउंटी में हुआ, जब बड़ी मात्रा में चट्टानें और मिट्टी ढलान से नीचे खिसक गईं और 10 से अधिक रिहायशी इमारतें इसकी चपेट में आ गईं।

'फोर्सेस फर्स्ट कॉन्क्लेव' में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' केवल एक बयान नहीं, सरकार की कार्यशैली

'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे जटिल अभियान की सफलता में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र की बड़ी भूमिका रही। इस अभियान के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित 'फोर्सेस फर्स्ट कॉन्क्लेव' में कहा कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस केवल एक बयान नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली है। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ केवल अपनी सीमा पर ही नहीं, बल्कि जहां से आतंकवाद संचालित होता है, वहां तक पहुंचकर भी कार्रवाई करने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक है। हमारे जवानों ने आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण देने वालों को करारा जवाब दिया, जिससे आतंकवाद के प्रति सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति स्पष्ट हुई।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा भारत

आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण पर ध्यान

भारतीय सैनिक राष्ट्र गौरव का प्रतीक

राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमाओं पर तैनात सैनिक, समुद्र की गहराइयों में देश की सुरक्षा कर रहे नौसैनिक और आकाश में राष्ट्र की रक्षा करने वाले वायु योद्धा भारत के राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जो देश अपने सैनिकों का सम्मान करना नहीं जानता, उसका भविष्य कभी सुरक्षित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे जटिल अभियान की सफलता में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया।

रक्षा औद्योगिक गलियारे में 70 हजार करोड़ का निवेश

रक्षा मंत्री ने कहा कि यूपी और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा सुधार है। इन गलियारों में उन्नत रक्षा विनिर्माण का काम हो रहा है और कई कंपनियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन चुकी हैं। इन दोनों रक्षा औद्योगिक गलियारों में लगभग 70 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है, जिनमें से करीब 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है।

12 वर्षों में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 'राष्ट्र सर्वोपरि' और 'सेना सर्वोपरि' की भावना के साथ रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण, स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने रक्षा क्षेत्र में निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं।

भारत की क्षमता पर भरोसा जरूरी

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण भारत की क्षमता और कौशल पर विश्वास करने का है, जबकि पहले की सरकारों का नजरिया देश की क्षमताओं को लेकर उतना भरोसेमंद नहीं था। उन्होंने कहा कि भारत के पास रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की पूरी क्षमता है और सरकार उसी दिशा में लगातार काम कर रही है। यदि किसी देश को हथियार, गोला-बारूद, मिसाइल, रडार, ड्रोन, नेवीगेशन सिस्टम और अन्य रक्षा उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़े, तो उसकी रणनीतिक और सैन्य स्वायत्तता भी सीमित हो जाती है।

रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

राजनाथ सिंह ने बताया कि वर्ष 2025-26 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि वर्ष 2014 के आसपास यह करीब 40 हजार करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात भी बढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। वित्त वर्ष 2013-14 में यह केवल 686 करोड़ रुपए था।

जल्द जारी होगी नई सूची

राजनाथ सिंह ने कहा कि अब तक सशस्त्र बलों की ओर से 509 वस्तुओं वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी की जा चुकी हैं। इसके अलावा रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) की ओर से 5,012 वस्तुओं वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां भी जारी की गई हैं।

बीएसएफ के जवानों के साथ अमित शाह

'चिकन नेक' पर सुरक्षा का ध्यान

शाह ने सिलीगुड़ी के पास सीमा सुरक्षा इंतजाम का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उत्तरी बंगाल में संवेदनशील राष्ट्रीय सीमाओं पर बॉर्डर फेंसिंग के साथ सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने बीएसएफ के लिए 77.06 करोड़ रुपए की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उनका दौरा 'चिकन नेक' पर सुरक्षा पर ध्यान बढ़ता है, यह क्षेत्र भारत और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एकमात्र जमीनी संपर्क है। शाह उत्तरी बंगाल के शहर सिलीगुड़ी के बाहरी इलाके में फुलबारी बॉर्डर आउटपोस्ट के जुमागाछ इलाके में बीएसएफ की 18वीं बटालियन की सीमा चौकी पर पहुंचे। यहां उन्होंने अर्द्धसैनिक बलों के जवानों से बातचीत की, फेंसिंग के पास बने वॉच टॉवर का दौरा किया और एक पौधा भी लगाया। बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम बागडोगरा पहुंचे थे।

3 अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच है 'चिकन नेक'

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बैठक में मुख्य रूप से 'चिकन नेक' के नाम से प्रसिद्ध सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई है। 17 से 22 किलोमीटर लंबा यह महत्वपूर्ण क्षेत्र पूर्वोत्तर के 8 राज्यों को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी संपर्क का माध्यम है। यह गलियारा तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच स्थित है। इसके उत्तर में नेपाल, दक्षिण में बांग्लादेश और उत्तर-पूर्व में भूटान है। हाल ही में राज्य में बनी सुवेंदु अधिकारी सरकार ने इस क्षेत्र में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 120 एकड़ भूमि बीएसएफ को हस्तांतरित की है।

सीमा प्रबंधन पर की चर्चा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उत्तर बंगाल स्थित राज्य सचिवालय की शाखा 'उत्तर कन्या' में सीमा प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर कई बैठकों की अध्यक्षता की। इन बैठकों में राज्य में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन तथा जन्म और मृत्यु पंजीकरण से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई। शाह शनिवार शाम कोलकाता पहुंचे।

22 को नौसेना बेड़े में होगा शामिल

मालवन युद्धपोत के प्रतीक चिन्ह में दिखा बाघ का पंजा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

नौसेना ने पनडुब्बी रोधी युद्ध-कौशल में माहिर उथले जल क्षेत्र में

कार्रवाई करने वाले मालवन युद्धपोत के शिखर (प्रतीक चिन्ह) का उद्घाटन किया है। जिसके केंद्र में 'बाघ के पंजे यानी बाघ नख' की अनोखी तस्वीर लगाई गई है। यह युद्धपोत 22 जुलाई को नौसेना में आधिकारिक रूप से शामिल होगा। कर्नाटक के कारवार में समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह करेंगे। मालवन का बाघ के नख वाला यह प्रतीक चिन्ह साहस, चपलता और निर्भीकता का प्रतीक है। समुद्र में लहरों से घिरा हुआ यह जहाज अपनी दृढ़ता को प्रतिबिंबित करता है। यह बताता है कि हमेशा सतर्क रहें और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा में चुपचाप प्रहार करें। छत्रपति शिवाजी ने 1659 में प्रतापगढ़ युद्ध के दौरान बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खां के हमले से बचाव में बाघ नख का ही उपयोग किया था।

सीसीपीए का स्पाइसजेट पर एक्शन

डार्क पैटर्न अपनाने पर 1 लाख रुपए का जुर्माना, जांच में दोषी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर 'डार्क पैटर्न' (भ्रामक डिजाइन प्रथाओं) का इस्तेमाल करने के मामले में स्पाइसजेट लिमिटेड पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी की ये प्रथाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019, उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 के नियम 4(9) और डार्क पैटर्न्स की रोकथाम एवं विनियमन संबंधी दिशानिर्देश, 2023 का उल्लंघन हैं।

सीसीपीए की अध्यक्ष मुख्य आयुक्त स्मति निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अगुवाई में हुई जांच में पाया गया कि स्पाइसजेट अपने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर पहले से टिक किए गए चेकबॉक्स के जरिए उपभोक्ताओं को स्वतः 'स्पाइसक्लब' लॉयल्टी प्रोग्राम में नामांकित कर रही थी।

टाइगर हिल अभियान: वीरता का सम्मान

मिलिट्री टूरिज्म को बढ़ावा दे रहे

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने द्रास के सिविल प्रशासन के साथ मिलकर, 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर 'टाइगर हिल अभियान 2026' को सफलतापूर्वक आयोजित किया। द्रास के जिला मुख्यालय बनने के बाद यह अपनी तरह की पहली पहल थी। इस अभियान ने कारगिल युद्ध की विरासत को संजोते हुए मिलिट्री टूरिज्म को बढ़ावा दिया। इसमें गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, द्रास के ग्यारह प्रशिक्षित टूर और ट्रेक गाइड भी शामिल हुए।

पीओके में हो रही हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घिरा पाक

यूएन मानवाधिकार ने जताई चिंता, मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच की भी मांग

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच कराने की मांग की है ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। जिनेवा से जारी बयान में

ओएचसीएचआर ने कहा कि 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए

वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए।

पीयूष गोयल ने फिनलैंड की प्रमुख कंपनियों से की मुलाकात

नोकिया के साथ 5जी और 6जी तकनीक पर की चर्चा

दूरसंचार, निवेश सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी और मजबूत करने पर जोर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फिनलैंड

■ स्मार्ट सिटी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में बढ़ेगा

की अग्रणी प्रौद्योगिकी और औद्योगिक कंपनियों के साथ रणनीतिक बैठकों के जरिए भारत-फिनलैंड आर्थिक एवं तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। बैठकों में दूरसंचार, अनुसंधान, स्मार्ट अवसंरचना, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

वीटीटी के साथ नवाचार पर जोर

यूरोप के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों में शामिल वीटीटी तकनीकी अनुसंधान केंद्र में हुई बैठक के दौरान अनुसंधान, नवाचार, उन्नत प्रौद्योगिकी, औद्योगिक परिवर्तन, उन्नत सामग्री, डिजिटलीकरण और सतत विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने अनुसंधान साझेदारी और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को मजबूत करने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

केओएनई के साथ स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा

केओएनई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठक में स्मार्ट शहरी अवसंरचना, लिफ्ट और एस्केलेटर तकनीक, सतत निर्माण समाधान, उन्नत विनिर्माण और स्थानीयकरण पर सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की गई। भारत के तेजी से विकसित हो रहे अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर भी विचार हुआ।

केम्पी समूह के साथ औद्योगिक नवाचार पर फोकस

केम्पी समूह के नेतृत्व के साथ हुई बैठक में उन्नत औद्योगिक मशीनरी, वेल्डिंग तकनीक, विनिर्माण नवाचार, आधुनिक औद्योगिक समाधान और भारत के बढ़ते विनिर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशी गईं।

भारत-फिनलैंड आर्थिक संबंधों को मिली नई गति

इन बैठकों ने फिनलैंड के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान किया, जिससे भारत की विश्वसनीय विनिर्माण और नवाचार साझेदार के रूप में पहचान और मजबूत हुई। यह दौरा प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, सतत विनिर्माण और निवेश के क्षेत्रों में दोनों देशों की साझेदारी को नई गति देने की साझा प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ।

समूह की दीदियों के द्वारा बनाई गई राखियों से सजेंगे बाजार

रक्षाबंधन पर उत्तर प्रदेश की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हस्तनिर्मित राखियों की बढ़ी मांग, अब ऑनलाइन भी होगी उपलब्ध

अमन लेखनी समाचार

लखनऊः 19 जुलाई 2026 । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निदेशों के क्रम में आगामी रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इस वर्ष भी आकर्षक एवं हस्तनिर्मित राखियों का निर्माण कर रही हैं। प्रयागराज, वाराणसी, बागपत, बुलंदशहर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, उन्नाव , शामली, जौनपुरएवं मिजार्पुर सहित प्रदेश के लगभग सभी जनपदों में ग्रामीण महिलाएं पारंपरिक कौशल एवं नवीन डिजाइनों के साथ सुंदर राखियां तैयार कर रही हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समूहों की दीदियों द्वारा राखियों के निर्माण से जहां दीदियों की आय में वृद्धि होगी, वहीं ग्रामीण संस्कृति, भारतीय परंपरा एवं महिलाओं की सृजनात्मकता की झलक देखने को मिलेगी, यही नहीं लोकल फार लोकल के सरकार के संकल्प को साकार करने में गति मिलेगी ।इससे न केवल ग्रामीण महिलाओं की आजीविका सशक्त होगी, बल्कि महिला उद्यमिता एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को भी नई मजबूती मिलेगी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय बाजारों, मेलों एवं विभिन्न विक्रय केंद्रों के माध्यम से अपनी हस्तनिर्मित राखियों का विक्रय कर रही हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सूती धागे, रेशम, मोती, जरी, कुंदन, लकड़ी, कपड़े , अनाज एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों से पारंपरिक, आधुनिक, बच्चों एवं थीम आधारित विभिन्न प्रकार की आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। इन राखियों में ग्रामीण संस्कृति, भारतीय परंपरा एवं महिलाओं की सृजनात्मकता की झलक देखने को मिलती है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग, गुणवत्ता संवर्धन एवं डिजिटल मार्केटिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिला उद्यमियों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो। रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर यूपीएसआरएलएम प्रदेशवासियों से अपील करता है कि वे स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित 'वोकल फॉर लोकल' हस्तनिर्मित राखियों को प्राथमिकता दें। इससे न केवल ग्रामीण महिलाओं की आजीविका सशक्त होगी, बल्कि महिला उद्यमिता एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को भी नई मजबूती मिलेगी। मिशन निदेशक अरुण कुमार के निर्देशन में यूपीएसआरएलएम द्वारा इन राखियों को अमेजॉन, फि्लपकार्ड तथा ई-सरस जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है, ताकि ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद देशभर के ग्राहकों तक आसानी से पहुंच सकें और उन्हें बेहतर बाजार उपलब्ध हो।

हाईवे पार कर रहे किसान को कार ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से 55 वर्षीय किसान गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार वाहन की पहचान में जुटी है। जानकारी के अनुसार, मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम हमीरापुरा निवासी सुलेमान (55) शनिवार को रहीमाबाद के अहमदाबाद कटौली गांव में रिश्तेदारी में शामिल होने आए थे। शाम के समय वह कब्रिस्तान के सामने हाईवे पार कर रहे थे। इसी दौरान हरदोई की ओर से आ रही काले रंग की तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि सुलेमान कई फीट तक सड़क पर घिसट गए। हादसे में उनके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की सहायता से घायल किसान को मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची रहीमाबाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। उपनिरीक्षक करन सिंह ने बताया कि सड़क पार कर रहे किसान को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। घायल का उपचार कराया जा रहा है और टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी की जांच की जा रही है।

अस्पताल में भर्ती सुलेमान

हर भारतवासी को करना होगा संस्कृति और परम्परा का सम्मान

संभल और चंदौसी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए सीएम ने दी 569 करोड़ की सौगात

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को संभल में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यहां की संस्कृति और परंपरा का सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग आज भी अपने आपको बाबर की संतान समझते हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि नया भारत न तो गुलामी की मानसिकता में जीने वाला है और न ही उसे स्वीकार करने वाला है। उन्होंने कहा कि बहन-बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को डबल इंजन की सरकार किसी भी कीमत पर बख्शने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तुर्क की तुर्कई नहीं चलेगी, संभल में वही होगा, जो हरिहर मंदिर का आदेश होगा। मुख्यमंत्री ने संभल और चंदौसी विधानसभा क्षेत्रों के लिए 569 करोड़ रुपये की 66 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के दौरान ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि यहां 10 हजार एकड़ जमीन पर माफिया ने कब्जा कर रखा था। जिन हिंदुओं की हत्या की गई थी, वह कभी कांग्रेस की सरकार और समाजवादी पार्टी के पापियों द्वारा किए गए अत्याचारों का परिणाम था। इसका दुष्परिणाम यहां के गरीब लोग भुगत रहे थे। अब 10 हजार एकड़ जमीन खाली हुई है। सीएम ने कहा कि उसे गरीबों, दलितों, वंचितों और पिछड़े वर्ग के लोगों में बांटी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन्होंने अवैध कब्जे किए हैं, उन्हें माफिया घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों के दौरान इस तरह की साजिश की गई कि जमीन के रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्य ही न बचें। उन्होंने कहा कि इन सरकारों ने लैंड रिकॉर्ड नष्ट कर दिए, लेकिन वे रिकॉर्ड नष्ट कर सकते हैं, सत्य को नहीं। सत्य अंततः अपना स्वरूप दिखाता ही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आज प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर खड़ा हो गया है, उसी प्रकार सत्य भी सामने आकर रहता है। अब 68 तीर्थों पर कोई कब्जा नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में रहना है तो भारत की संस्कृति और परंपरा का सम्मान करना होगा। जो अपने को बाबर की संतान समझते हैं, वे जान लें कि नया भारत गुलामी की मानसिकता में जीने वाला नहीं। उन्होंने कहा कि आज सभी को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जबकि पहले केवल सैफई सिंडिकेट का कब्जा था। सीएम योगी ने कहा कि भगवान कल्कि की इस पावन भूमि पर संभल और चंदौसी की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में आने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। चंदौसी, जिसे क्षेत्र का वृंदावन भी कहा जाता है, यहां 145 फुट ऊंची भगवान गणपति की प्रतिमा तथा मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा के अनावरण का भी मुझे मौका मिला ये बड़े भाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि यह श्री हरि विष्णु की पावन धरा है। ठीक 500 वर्ष पहले, वर्ष 1526 में विदेशी आक्रांताओं ने इसे अपवित्र किया था। आक्रांता जब आते हैं तो वे केवल खजाना ही नहीं लूटते, बल्कि धर्म और संस्कृति को भी रौंदते हैं। यही पाप यहां भी किया गया था। श्री हरि विष्णु के पवित्र हरिहर मंदिर को तोड़ दिया गया था। यहां के 68 तीर्थों को भी अपवित्र किया गया था और 19 कूपों पर भी कब्जा कर लिया गया था। संभल के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ करके 1976 और 1978 में यहां दंगे कराए गए। सैकड़ों निर्दोष लोगों को मार दिया गया, लेकिन किसी को सजा नहीं हो पाई। 500 वर्ष पहले जो पाप हुआ था, उसमें कुछ लोगों का जबरन धर्मांतरण कर दिया गया था। लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार है। अब संभल में 68 तीर्थों के पुनरुद्धार और 19 कूपों को पुनर्जीवित करने का कार्य भी प्रारंभ हो गया है।

अपार आईडी निर्माण में उत्तर प्रदेश अव्वल

योगी सरकार ने स्कूल और उच्च शिक्षा में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर शिक्षा के डिजिटलीकरण के क्षेत्र में देशभर में अपनी अग्रणी भूमिका साबित की है। डिजिटल इंडिया के तहत अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) आईडी निर्माण में उत्तर प्रदेश ने स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा दोनों श्रेणियों में देश में पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल, पारदर्शी और छात्र केंद्रित बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है।

विभाग की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार, उच्च शिक्षा में उत्तर प्रदेश ने 73,20,603 अपार आईडी बनाकर देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र (55,52,064) और तीसरे स्थान पर राजस्थान (42,16,422) हैं। वहीं स्कूल शिक्षा में भी उत्तर प्रदेश ने 2,95,90,359 अपार आईडी तैयार कर देश के सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। महाराष्ट्र (2,09,53,061) दूसरे और बिहार (1,58,86,050) तीसरे स्थान पर हैं। योगी सरकार ने प्रदेश में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने, विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को एकीकृत करने और भविष्य में प्रवेश, छात्रवृत्ति, परीक्षा तथा रोजगार संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से अपार आईडी निर्माण अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया। इसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश दोनों श्रेणियों में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। अपार आईडी प्रत्येक छात्र-छात्राओं के लिए एक स्थायी डिजिटल अकादमिक पहचान है।

- डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बना मिसाल
- स्कूल शिक्षा में 2,95,90,359 अपार आईडी तैयार कीं

इसके माध्यम से छात्र का शैक्षणिक रिकॉर्ड एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रहता है, जिससे स्कूल बदलने, उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति और अन्य शैक्षणिक सेवाओं में सुविधा मिलती है। दरअसल, अभी हाल ही में हुई मुख्य सचिव की बैठक के दौरान बताया गया कि सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड (डिग्री, डिप्लोमा, ट्रांसक्रिप्ट, प्रमाण पत्र आदि) को अपार आईडी से मैप किया जा रहा है। छात्र-केंद्रित सेवाओं को सक्षम करने के लिए एनएडी एवं एबीसी जैसे प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया जाना है। शैक्षणिक वर्ष 2025 के सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड जुलाई 2026 तक समय पर अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए। सभी परीक्षाओं एवं मूल्यांकनों के लिए निर्धारित 6 महीने की समयसीमा का सख्ती से पालन करें। लंबित कार्यों की निगरानी और समय पर अपलोड सुनिश्चित करने के लिए मजबूत आंतरिक निगरानी तंत्र स्थापित करें। अपार आईडी के साथ पूर्ण मैपिंग करें और सभी शैक्षणिक दस्तावेजों (मार्कशीट, डिग्री, डिप्लोमा, ट्रांसक्रिप्ट, प्रमाण पत्र) को व्यापक रूप से अपलोड करना सुनिश्चित किया जा रहा है। उच्च शिक्षा में 73.20 लाख अपार आईडी (देश में प्रथम) और स्कूल शिक्षा में 2.95 करोड़ से अधिक अपार आईडी (देश में प्रथम) दोनों श्रेणियों में उत्तर प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। योगी सरकार का लक्ष्य प्रदेश में प्रत्येक विद्यार्थी को डिजिटल अकादमिक पहचान उपलब्ध कराना है, ताकि नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को और अधिक आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाया जा सके।

मजबूत बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत : अवधेश द्विवेदी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर कार्यसमिति द्वारा हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट में अवध क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी के लखनऊ महानगर में प्रथम आगमन पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने कहा कि लखनऊ महानगर संगठन की ऊर्जा का केंद्र है। उत्तर प्रदेश में अवध और अवध में लखनऊ महानगर संगठन की विशेष जिम्मेदारी रहती है ।₹ उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम पर विस्तार से चर्चा की तथा कहा कि प्रत्येक बूथ पर कम से कम 20 कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे वे पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा एवं संगठनात्मक कार्यप्रणाली को बेहतर ढंग से समझकर जनता तक पहुंचा सकें। उन्होंने आगामी बूथ सम्मेलन, बूथ सत्यापन अभियान तथा संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए सभी पदाधिकारियों से सक्रिय रहें । उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सफलता की आधारशिला है। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए संगठन की आगामी योजनाओं, कार्य विस्तार एवं संगठनात्मक रचना पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने महानगर के सभी पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। इस मौके पर महामंत्री घनश्यामदास अग्रवाल, सत्येन्द्र कुमार सिंह, टिंकू सोनकर, उपाध्यक्ष दीपक कुमार शुक्ला दीपू, योगेन्द्र पटेल, सीता नेगी,विनायक पाण्डेय, मानवेन्द्र प्रताप सिंह, सौरभ बाल्मीकि, जीडी शुक्ला, मंत्री आनंद कुमार पाण्डेय, सचिन वैश्य, राजेश चौधरी, सतीश चन्द्र मिश्रा, अपूर्व भार्गव सहित बड़ी संख्या में कार्यसमिति सदस्य उपस्थित रहें।

मृणाल द्विवेदी को आईआईटी मद्रास से पीएचडी की डिग्री

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/चेन्नई 19 जुलाई। लखनऊ के मूल निवासी मृणाल द्विवेदी ने देश के प्रतिष्ठित और सम्मानित शिक्षण संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास के मैकेनिकल डिपार्टमेंट से पीएचडी की डिग्री हासिल की है। संस्थान के सभागार में शुक्रवार देर शाम आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह में उन्हें यह डिग्री प्रदान की गयी। समारोह में शैक्षणिक और शोध क्षेत्र की विभिन्न उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. एस. उन्नीकृष्णन नायर ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर प्रगति करने की शुभकामनाएं दी। लैब ग्रोन डायमंड पर मृणाल द्विवेदी के शोध को देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सराहा गया है। इसके अलावा राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में भी उनके पेपर प्रमुखता से प्रकाशित हुए हैं। इस मौके पर उनके पिता वरिष्ठ पत्रकार, लेखक व स्तम्भकार शशिधर द्विवेदी, माता आरती द्विवेदी, पत्नी चित्रा और बहन शाम्भवी भी सभागार में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह परिवार के लिए गर्व का पल है,इस सुखद पल का गवाह बनने का सौभाग्य परिवार को भी मिला, यह प्रसन्नता की बात है।

सोनम वांगचुक को आमरण अनशन स्थल से उठाकर ले जाना निंदनीय

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सोनम वांगचुक को बल-प्रयोग करके, जबरदस्ती उनके आमरण अनशन स्थल से उठाकर ले जाना अत्यंत निंदनीय है। आज सुबह घटी ये घटना थोड़ी ही देर में पूरे देश और संपूर्ण विश्व में फैल चुकी है। सारी दुनिया और देश भर में श्री सोनम वांगचुक जी को लेकर गहरी चिंता है और भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रोश भी। जो लोग सादी वर्दी में इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए धोखे से अचानक घुसे थे, उनकी पहचान सार्वजनिक की जाए।

श्री यादव ने कहा कि हमारी पुरजोर माँग है कि सोनम वांगचुक की चिकित्सा न्यायिक निगरानी में हो क्योंकि सोनम वांगचुक का जीवन मानवता, पर्यावरण-संरक्षण, लोकतांत्रिक मूल्यों, युवा ऊर्जा की प्रेरणा, साइंस और इनोवेशन के लिए अनमोल है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की जनता व समस्त विश्व इस समय भाजपा सरकार को संदेह और सवाल भरी संदिग्ध नजर से देख रहा है। दमनकारी राजनीति करने वाली भाजपा सरकार की इस अवांछनीय कार्रवाई ने इंटरनेशनल लेवल पर हमारे देश की मानवीय और डेमोक्रेटिक इमेज को बेहद धूमिल और खंडित करने का काम किया है।

ईको-टूरिज्म से आत्मनिर्भर बन रहे गांव: मुख्यमंत्री धामी

अमन लेखनी समाचार

स्थानीय युवाओं को मिल रहे नये अवसर

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने प्रकृति आधारित पर्यटन को स्थानीय रोजगार और ग्रामीण विकास से जोड़ने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए तराई पश्चिमी वन प्रभाग के अंतर्गत रामनगर के फांटो जोन में 180 प्रशिक्षित महिला एवं पुरुष नेचर गाइडों को रोजगार पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास से वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए सभी प्रशिक्षित युवाओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह प्रमाण-पत्र केवल रोजगार का दस्तावेज नहीं, बल्कि उत्तराखंड की प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण की जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को केवल दर्शनीय स्थलों तक सीमित रखने के बजाय उसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वरोजगार और स्थानीय विकास का मजबूत आधार बना रही है। इसी उद्देश्य से नेचर गाइड जैसी योजनाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे युवाओं को अपने ही गांवों में सम्मानजनक रोजगार मिल रहा है और पलायन की चुनौती का प्रभावी समाधान भी सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित नेचर गाइड उत्तराखंड की जैव विविधता, वन्यजीव, लोकसंस्कृति और प्राकृतिक विरासत को देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके माध्यम से पर्यटकों को केवल जंगलों और वन्यजीवों का परिचय ही नहीं मिलता, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और जिम्मेदार पर्यटन का संदेश भी प्रभावी ढंग से प्रसारित होता है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य के अनेक युवा रोजगार की तलाश में महानगरों से वापस अपने गांव लौटकर नेचर गाइड, होमस्टे और पर्यटन से जुड़े अन्य व्यवसायों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। यह उत्तराखंड में बढ़ते रिवर्स पलायन और ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित हो रहे नए आर्थिक अवसरों का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि रामनगर का फांटो जोन सामुदायिक भागीदारी पर आधारित ईको-टूरिज्म का सफल मॉडल बनकर उभरा है। यहां की समृद्ध जैव विविधता, वन्यजीव, घने जंगल और टाइगर साइटिंग जैसी विशेषताओं ने बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित किया है। इसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों की आय, रोजगार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईको-टूरिज्म का दायरा केवल नेचर गाइडों तक सीमित नहीं है। इससे होमस्टे संचालकों, महिला स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय हस्तशिल्पकारों, वाहन संचालकों, कृषि एवं स्थानीय उत्पादों से जुड़े उद्यमियों तथा छोटे व्यापारियों को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है। इससे गांवों में आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं और लोगों का अपने गांवों में रहकर रोजगार करने का विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार होमस्टे, एडवेंचर टूरिज्म, शीतकालीन पर्यटन, वेलनेस टूरिज्म, आध्यात्मिक पर्यटन, ईको-टूरिज्म और डेस्टिनेशन वेडिंग जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन के नए आयाम विकसित कर रही है। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और प्रदेश में रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते रोजगार और विकास का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने सभी नेचर गाइडों से पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और जिम्मेदार पर्यटन को जनभागीदारी का अभियान बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि उत्तराखंड की प्राकृतिक संपदा राज्य की सबसे बड़ी पूंजी है। इसके संरक्षण और संवर्धन के साथ स्थानीय लोगों की समृद्धि सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रशिक्षित नेचर गाइड तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

योगी सरकार का प्रॉमिस वर्सेस डिलेवरी मॉडल बना उत्तर प्रदेश के विकास की पहचान : डॉ. राजेश्वर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने गोमतीनगर विस्तार में 66.40 करोड़ की लागत से निर्मित उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीन भवन के लोकार्पण को उत्तर प्रदेश की आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए समस्त सरोजनीनगर परिवार को बधाई दी है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि 1 जून 2023 को मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ के कर-कमलों से उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास संपन्न हुआ था और अब रिकॉर्ड समय में निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत 19 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री के कर-कमलों से ही इस भव्य भवन का लोकार्पण होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के नाते वे भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित रहेंगे। लोकार्पण समारोह में प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्व राज्य मंत्री सुरेन्द्र दिलेर, प्रमुख सचिव राजस्व श्रीमती अर्पणा यू., प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एस.पी. गोयल तथा उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेन्द्र डिमरी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे। सरोजनीनगर विधायक ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी और कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का प्रॉमिस वर्सेस डिलेवरी मॉडल प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान कर रहा है। जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाता है, उनका समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित कर लोकार्पण भी किया जा रहा है। 1 जून 2023 को शिलान्यास से 19 जुलाई 2026 को लोकार्पण तक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भवन की यह विकास यात्रा संकल्प से सिद्धि का सशक्त उदाहरण है।

डॉ. सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य विधि विज्ञान संस्थान, विदेशी भाषा विश्वविद्यालय और अशोक लेलैंड फैक्ट्री के बाद अब राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का भव्य भवन सरोजनीनगर के मुकुट में एक और रत्न के रूप में जुड़ रहा है। इसके साथ ही जैतीखेड़ा, और लतीफनगर गर्ल्स डिग्री कॉलेज सहित अनेक महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं सरोजनीनगर को शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कौशल विकास और आधुनिक संस्थागत ढांचे के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने, त्वरित राहत एवं बचाव सुनिश्चित करने तथा आपदा प्रबंधन की संस्थागत क्षमताओं को निरंतर सुदृढ़ कर रही है।

नवीन राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भवन इस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाते हुए सुरक्षित और सक्षम उत्तर प्रदेश के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करेगा। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर में एक के बाद एक बड़ी परियोजनाओं का धरातल पर उतरना क्षेत्र की विकास यात्रा में नए अध्याय जोड़ रहा है।

संक्षेप

अवैध समान समेत ई रिक्शा पकड़ा चालक हुआ फरार

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। सहायक राज्य कर आयुक्त सचल दल कानपुर सप्तम राहुल कुमार ने बिहार थाना क्षेत्र के सुमेरपुर तिराहे पर मालवाहक वाहनों की चेकिंग के दौरान एक ईरिक्शा जो चारों तरफ तिरपाल से बंधा देखकर रुकवाने की कोशिश किया तो ईरिक्शा चालक रिक्शा छोड़कर भाग गया। सहायक कर आयुक्त सचल दल आयुक्त इकाई कानपुर ने एक ई रिक्शा मे अवैध रुप से ब्रिक्री के लिए जाए जा रहे माल को ईरिक्शा सहित पकड़ लिया। मौके से रिक्शा चालक भागने मे सफल रहा। पकड़े गये रिक्शा को सहायक आयुक्त सचल दल ने बिहार थाना मे पुलिस की निगरानी मे खड़ा करवा दिया। सूत्रो की माने तो रिक्शा मे पान मसाला गुटखा अवैध रूप से ब्रिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। जिसको सहायक आयुक्त ने संदेह के आधार पर रुकवाया तो चालक रिक्शा छोड़ कर भाग निकला। रिक्शा मे चारो तरफ से तिरपाल से बंधा होने के कारण रिक्शे पर लदे माल की सही जानकारी नही हो सकी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑल्टो सवार एचएल कर्मी की मौत

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर मटरिया गांव के पास शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑल्टो सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से भाग गया। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के कबीरपुर खभौली गांव निवासी अंकित कुमार कनौजिया 38 वर्ष लखनऊ स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएल) में कर्मचारी थे। शनिवार सुबह ड्यूटी कर ऑल्टो कार से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान मटरिया गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ऑल्टो में टक्कर मारते हुए बांगरमऊ की तरफ भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, मृतक की पत्नी रुचि ने बताया कि अंकित का करीब एक माह पहले ही बेंगलुरु से लखनऊ स्थानांतरण हुआ था। पत्नी रुचि औरास ब्लॉक क्षेत्र के शाहपुर तोंदा गांव में शिक्षिका हैं। मौत की सूचना से मां मालती, सहित दो बहन उपासना, साधना सहित छह वर्षीय बेटी रो-रोकर बेहाल हो गई, कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर मिलने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

डीएम व एसपी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह विधायक मोहान ब्रजेश रावत व सफीपुर विधायक बम्बालाल दिवाकर की उपस्थिति में फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। इस अवसर जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों से संबंधित राजस्व, पुलिस, विद्युत, विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य वन विद्युत तथा अन्य विभागों की शिकायतें सुन संबंधित अधिकारी को मौके पर बुलाकर गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि विवाद एवं अन्य संवेदनशील मामलों के निस्तारण के लिए उपजिलाधिकारी पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त रूप से टीम बनाकर प्रकरणों की मौके पर जाकर जांच करें तथा नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत जिस श्रेणी की है उसी श्रेणी में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रत्येक प्रकरण का संतोषजनक समाधान किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है जो संतुष्टि का लेवल है उसकी सभी अधिकारी गंभीरता के साथ ध्यान देकर सुधार करें। शिकायतकर्ता से फीडबैक अवश्य लिया जाए। इस अवसर राजस्व 140, विकास 49 पुलिस 55, विद्युत 21, अन्य विभाग 60 सहित कुल 325 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 21 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। शेष शिकायतों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने के निर्देश जिला अधिकारी ने संबंधित अधिकारी को दिए। तहसील समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं नीतियों कार्यक्रमों विषयक लगाए गए स्टालों का भी अवलोकन कर सम्बन्धित विभागीय अधिकारी से जानकारी ली। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कृषक दुर्घटना बीमा योजना के 05 लाभार्थियों डीबीटी के माध्यम से प्राप्त 05 लाख रुपए के प्रमाण पत्र भी दिया। तहसील समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में एक पेढ माँ के नाम बृक्षारोपण कर हरित पर्यावरण का संदेश दिया। संपूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी हसनगंज शालिनी तोमर क्षेत्रधिकारी हसनगंज परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह तहसीलदार हसनगंज सहित अन्य सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ढाबे पर खाने के बिल को लेकर विवाद में चालक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के दांदामऊ गांव स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार दोपहर खाने के बिल के भुगतान को लेकर हुए विवाद में एक चालक ने अपने साथी चालक की चाकू मारकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

थानाध्यक्ष अरविंद कटियार ने बताया कि झारखंड से टाटा ट्रक की चेसिस लेकर गाजियाबाद जा रहे चालक शनिवार दोपहर करीब 12 बजे दांदामऊ गांव स्थित फौजी आरव ढाबा पर भोजन करने के लिए रुके थे। ढाबा संचालक मुकेश के अनुसार एक ही टेबल पर बैठे सूरज (28) पुत्र दलजीत सिंह, निवासी एमदा बस्ती, थाना गोलमुरी (झारखंड) तथा उसके साथी चालक काशीनाथ, निवासी वृक्षा नगर, थाना गोलमुरी, भोजन कर रहे थे। भोजन के बाद होटल का बिल चुकाने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी दौरान काशीनाथ ने अपने पास रखा चाकू निकालकर सूरज की गर्दन पर वार कर दिया। वार इतना गंभीर था कि चाकू गर्दन में धंस गया और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा।

घटना से ढाबे पर अफरा-तफरी मच गई। ढाबा संचालक ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। साथी चालकों की मदद से गंभीर रूप से घायल सूरज को बीघापुर स्थित 100 बेड अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी चालक काशीनाथ को हिरासत में ले लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों चालक एक साथ चेसिस लेकर गाजियाबाद जा रहे थे और अक्सर इसी ढाबे पर रुकते थे। घटना की तहरीर साथी चालक त्रिलोक सिंह ने दी है, जिसके आधार पर आरोपी के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

मृतक सूरज दो भाइयों में बड़ा था और अविवाहित था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भैस बांधने के विवाद को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को जमकर पीटा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के गाँव चिलौली निवासिनी मंजू देवी पत्नी जयशंकर ने तहरीर देकर बताया कि गुरुवार को वह अपने दरवाजे भैंस बांध रही थी इतने में उसके पड़ौस के रामशंकर पुत्र शिव शंकर, व मोहित कुमार पुत्र राम शंकर ,रिंकी देवी पुत्री रामशंकर व राधा देवी पुत्री रामशंकर ने भैंस बांधने को लेकर गाली गलौज करते हुए लाठी डन्डों से मारने पीटने लगे तथा वह उन लोगों से छुटा कर अपने घर के अन्दर गयी तो ये लोग मुझे घर के अन्दर घुस कर मारते हुए बाहर घसीट लाये मेरा लड़का आदर्श यादव बचाने पहुँचा तो उसे भी मारा पीटा व जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये । थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र नाथ मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

जल संचयन को लेकर कैच द रेन के तहत कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। जल संचयन को लेकर नगर पंचायत की तरफ से कैच द रेन के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें शामिल लोगो को पानी बचाने की शपथ दिलाई गई। नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित किए गए जल संचयन कार्यक्रम में शामिल स्कूली बच्चों और युवाओं के हाथों में जल संरक्षण से जुड़े स्लोगन लिखे पोस्टर थे। ₹जल है तो कल है₹, ₹पानी की बूंद-बूंद कीमती है₹ और ₹जल संचय, जीवन संचय₹ जैसे नारों की गूंज सुनाई दी। इस अभियान के माध्यम से लोगों को अपने घरों और कार्यस्थलों पर पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की गई। कस्बे के विभिन्न वार्डों में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में उपस्थित वक्ताओं ने दैनिक जीवन में पानी बचाने के सरल तरीकों के बारे में बताया गया। वर्षा जल संचयन बारिश के पानी को सहेजने के लिए छतों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की सलाह दी गई, बागवानी के लिए साफ पानी के बजाय रसोई में इस्तेमाल हुए पानी (सब्जी धोने आदि के बाद बचे पानी) के पुनः उपयोग की सलाह दी गई। लोगो में जागरूकता लाने हेतु कहा गया जल संरक्षण केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का मौलिक कर्तव्य है। कार्यक्रम के समापन पर नगर पंचायत के कर्मचारियों और नागरिकों की उपस्थिति में सभी को सामूहिक रूप से जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर नगर वासियों के साथ ही नगर पंचायत कार्यालय कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अपनी बदहाली पर आशू बहा रहा सहकारी संघ का भंडार ग्रह

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर विकास खण्ड मुख्यालय में बना सहकारी संघ का भंडार ग्रह अत्यंत दयनीय हालत में है। इस भंडार ग्रह का उपयोग कई दशकों से बंद होने की वजह दिन में भी कोई जाने की हिम्मत नही जुटा पाता। सहकारी संघ अध्यक्ष सुमेरपुर वीरमान सिंह ने MLC रामचंद्र प्रधान के माध्यम से साधन सहाकरी संघ एवं पूर्ती बीज भंडार के हेतु नये भण्डार गृह बनाये जाने के सम्बन्ध में मा० मंत्री स्वत्रन्त्र प्रभार सहकारिता विभाग को पत्र भिजवाया था लेकिन वीरभान सिंह के आकस्मिक निधन हो जाने से मामला फिर अधर में लटक गया है। पत्र में बताया गया था कि सुमेरपुर में बना भण्डार घर का भवन अत्यंत जर्जर हालत में है, जिसमें सहकारी संघ की कृषि कार्य हेतु सामग्री रखने में असुविधा होती है। ब्लाक सुमेरपुर में सरकारी सामग्री रखने हेतु एक नये भण्डार गृह का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। क्षेत्र वासियों में

प्रदीप पांडेय, अभिषेक वर्मा, संजय अवस्थी, राकेश कुशवाहा आदि ने इस समस्या से निजात दिलाने की मांग शासन से की है।

जौहर विश्वविद्यालय को बचाने की मांग को लेकर राज्यपाल संबोधित एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद इमरान सिद्दीकी के नेतृत्व में शनिवार को मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर को बचाने की मांग को लेकर महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के नाम संबोधित एक विस्तृत ज्ञापन उपजिलाधिकारी, बांगरमऊ के माध्यम से सौंपा गया। इस दौरान समाजवादी कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हजारों विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जोरदार मांग उठाई।

ज्ञापन में कहा गया कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है, जहां हजारों छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को संवार रहे हैं। ऐसे संस्थान के विरुद्ध ध्वस्तीकरण जैसी कठोर कार्रवाई न केवल शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करेगी, बल्कि हजारों परिवारों की उम्मीदों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।

समाजवादी पार्टी के नेताओं ने अपने ज्ञापन में स्पष्ट किया कि जब विश्वविद्यालय का निर्माण किया गया था, उस समय यह क्षेत्र रामपुर विकास प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में शामिल नहीं था। वर्ष 2024 में क्षेत्राधिकार का विस्तार होने के बाद विश्वविद्यालय परिसर विकास प्राधिकरण के दायरे में आया। ऐसे में यदि किसी प्रकार का प्रशासनिक अथवा कानूनी विवाद उत्पन्न हुआ है तो उसका समाधान संविधान, कानून और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप किया जाना चाहिए, न कि शिक्षा के इतने बड़े केंद्र को ध्वस्त करके। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्युत करंट की चपेट से सेवानिवृत्त फौजी की मौत

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के धर्मपुर गांव में एक सेवानिवृत्त आर्मी जवान की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना फरार्टा पंखा ठीक करते समय हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजनों ने शनिवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर घटना की जानकारी दी। धर्मपुर गांव निवासी बाबू लाल यादव (62) भारतीय सेना से सेवानिवृत्त थे। शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे वे अपने घर में खराब पड़े फरार्टा पंखे को ठीक कर रहे थे। इसी दौरान अचानक पंखे में विद्युत प्रवाह आने से वे करंट की चपेट में आ गए। करंट लगने से वे गंभीर रूप से झुलस गए और अचेत होकर गिर पड़े। परिजनों ने तत्काल उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। गांव के कई लोग भी उनके घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। परिजनों ने बताया कि बाबू लाल यादव सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद अपने गांव में परिवार के साथ रह रहे थे। वे अक्सर घर के छोटे-मोटे बिजली और मरम्मत के कार्य स्वयं कर लिया करते थे। मृतक अपने पीछे दो पुत्रों योगेंद्र सिंह यादव (31) और योगेश यादव (26) सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिजनों के अनुसार, बाबू लाल यादव परिवार के मुखिया थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह मामला बिजली के करंट से हुई दुर्घटनावश मौत का प्रतीत होता है।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक अपनी ड्यूटी से घर लौट रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई थी। कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद देर रात उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान अजगैन थाना क्षेत्र के सरेंदर गांव निवासी नीतू (35) पुत्र भगवती के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, नीतू बीते रविवार को एक निजी कंपनी से ड्यूटी पूरी कर बाइक से घर लौट रहा था। हरौनी के पास कटी बगिया रोड पर उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। इस हादसे में नीतू गंभीर रूप से घायल हो गया था। राहगीरों और स्थानीय लोगों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, कई दिनों तक चले इलाज के बावजूद उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और सोमवार देर रात उसने अस्पताल में अंतिम सांस ली। नीतू एक निजी कंपनी में कार्यरत था और अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी और एक छोटी बेटी है। नीतू की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता भगवती ने बताया कि उन्हें मोबाइल फोन के जरिए दुर्घटना की सूचना मिली थी। उन्होंने सरकार से परिवार, विशेषकर मृतक की छोटी बेटी के भविष्य को देखते हुए आर्थिक सहायता और नियमानुसार मिलने वाले मुआवजे की मांग की है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

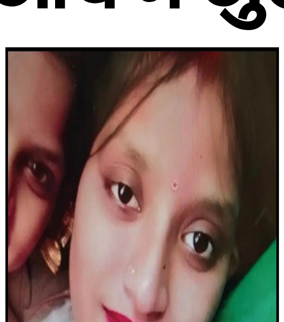

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के कैथन खेड़ा गांव में शनिवार सुबह एक 20 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या कर शव छिपाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।

खुशबू 20वर्ष पत्नी अंकित के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उन्नाव शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र की निवासी थी। उसकी शादी 24 सितंबर 2025 को माखी थाना क्षेत्र के कैथन खेड़ा गांव निवासी अंकित से प्रेम विवाह के तौर पर हुई थी।

परिजनों ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। उनका आरोप है कि खुशबू को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया जाता था।

परिजनों के अनुसार, उन्हें ससुराल से खुशबू की मौत की सूचना मिली। जब वे मौके पर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि खुशबू की हत्या की गई है और मामले को संदिग्ध दिखाने की कोशिश की गई। उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही माखी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए गए हैं और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। माखी थानाध्यक्ष योगेश सिंह ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही विवाहिता की मौत की परिस्थितियों का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा कि यदि जांच में कोई आपराधिक भूमिका सामने आती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रहस्य में ढंग से नाबालिक छात्रा हुई लापता

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासी बुजुर्ग ने थाने में तहरीर दिया कि मेरी नाबालिक नातिन आयु लगभग 16 वर्ष किताबें खरीदने कस्बा बीघापुर गई फिर घर वापस नहीं आई काफी तलाश किया तब पता चला व मेरी शंका है कि मेरी नातिन को प्रियांशु धानुक पुत्र फूलचंद धानुक निवासी कस्बा बीघापुर बहला फुसलाकर कर भगा ले गया और मेरी नातिन को भगाने में प्रियांशु के पूरे परिवार का सहयोग रहा है दिए गए तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल पर कर दिया।

रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला अज्ञात युवक का शव, शिनाख्त नहीं

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पास शनिवार सुबह उन्नाव-लखनऊ रेलवे लाइन पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। यह शव खंभा संख्या 40/22 और 40/24 के बीच पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने पर अजगैन कोतवाली पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस शव की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों से गुमशुदगी की जानकारी जुटा रही है और अन्य माध्यमों से भी पहचान कराने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस फिलहाल इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि रेलवे लाइन किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि शव की शिनाख्त कराने के प्रयास जारी हैं। पंचनामा की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवती का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। हुसैन नगर मोहल्ले में शनिवार सुबह एक 20 वर्षीय युवती का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हुसैन नगर निवासी 20 वर्षीय श्रीमति पुत्री कैलाश के रूप में हुई है। उसके परिवार में एक भाई और एक बहन हैं। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका के भाई चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि उनकी बहन की हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि पड़ोस में रहने वाले जीशान ने उनकी बहन की हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया। चंद्रशेखर के अनुसार, घटना के समय वह अपनी पत्नी के साथ घर से बाहर थे, जबकि उनके माता-पिता और बहन घर पर थे। घर लौटने पर उन्हें बहन मृत मिली। परिजनों का कहना है कि आरोपी जीशान उनके घर के सामने रहता है। पहले कोई बड़ा विवाद नहीं था, लेकिन कुछ दिन पहले पानी को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी के परिवार का आपराधिक इतिहास रहा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उधर, पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। फिलहाल परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप मात्र हैं, जिनकी पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, परिजनों के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और तनाव का माहौल बना हुआ है।

सम्पादकीय

ट्रंप की टैरिफ की धमकी के बीच यूके से एफटीए

वैश्विक व्यापार इस समय एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ा है। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर आर्थिक दबाव की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं, तो दूसरी ओर भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू होना आर्थिक सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। ये दोनों घटनाएं बताती हैं कि आज दुनिया में व्यापार केवल वस्तुओं के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कूटनीति, रणनीति और राष्ट्रीय हितों का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। अमेरिका की प्रस्तावित टैरिफ नीति का निशाना रूस की ऊर्जा आय को कम करना है, लेकिन इसका असर भारत जैसे देशों पर भी पड़ सकता है, जिन्होंने अपनी ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रूस से तेल खरीदना जारी रखा है। भारत आज रूस से सबसे अधिक कच्चा तेल खरीदने वाले देशों में शामिल है। सस्ते रूसी तेल ने भारत को महंगाई नियंत्रित रखने, ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण मदद की है। ऐसे में यदि रूस से तेल खरीदने के आधार पर भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की कोशिश होती है, तो यह केवल व्यापारिक फैसला नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव बनाने की रणनीति होगी। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इसी बीच भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते का लागू होना भारत के लिए सकारात्मक संकेत है। यह समझौता केवल टैरिफ घटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में लगभग शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने से वस्त्र, चमड़ा, इंजीनियरिंग, कृषि और एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। दूसरी ओर भारतीय उपभोक्ताओं को ब्रिटेन से आने वाली कारें, स्कॉच व्हिस्की, कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और कई प्रीमियम उत्पाद अपेक्षाकृत कम कीमत पर उपलब्ध होंगे। हालांकि, एफटीए का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब भारतीय उद्योग गुणवत्ता, तकनीक और उत्पादकता के स्तर पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए स्वयं को तैयार करेंगे। केवल आयात सस्ता होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि निर्यात बढ़ाना और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाना भी उतना ही आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि मुक्त व्यापार का लाभ किसानों, एमएसएमई और छोटे उद्योगों तक भी पहुंचे। कुल मिलाकर ट्रंप की टैरिफ चेतावनी और भारत-यूके एफटीए, दोनों यह साबित करते हैं कि आने वाले समय में वैश्विक व्यापार का स्वरूप केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक भी होगा। जहां टैरिफ व्यापार को सीमित करने और दबाव बनाने का माध्यम बन सकता है, वहीं मुक्त व्यापार समझौते विकास, निवेश और साझी समृद्धि के रास्ते खोलते हैं। भारत के लिए सही रास्ता यही है कि वह दबाव की राजनीति से अप्रभावित रहते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे और एफटीए जैसे समझौतों के जरिए वैश्विक बाजार में अपनी आर्थिक ताकत को और मजबूत बनाए। यही संतुलित नीति भारत को बदलती विश्व व्यवस्था में एक भरोसेमंद और प्रभावशाली आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करेगी।

नवाचार

प्रो . कन्हैया त्रिपाठी

सहकारिता के नए आकाश में नई उड़ान

> त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विश्व में उस परिवर्तनकारी सोच का प्रतीक माना जा रहा है, जिसमें सहकारिता को केवल डेयरी, चीनी या बैंकिंग तक सीमित नहीं किया जाएगा अपितु सहकारिता का विस्तार जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य पालन, बीज उत्पादन, पर्यटन, डिजिटल सेवाओं, ई-कॉमर्स, हरित ऊर्जा और ग्रामीण उद्यमिता को समेकित करते किया जाएगा। इस विश्वविद्यालय में आधुनिक प्रबंधन, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्तीय अनुशासन और वैश्विक दृष्टि पर बहसें होंगी। देश के उत्थान पॉलिसीज पर कार्य करने वाले चेंज मेकर यह मान रहे हैं कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय संभावनाओं का संस्थागत स्वरूप है।

भारत का सहकारिता आन्दोलन अपने नए स्वरूप में आ गया है। बौद्धिक समाज का उत्पादन एवं उनसे राष्ट्र निर्माण की कोशिश भारत के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। वैसे तो आणंद का नाम श्वेत क्रांति के स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित है, जहां त्रिभुवनदास पटेल, सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रेरणा और डॉ. वर्गीज़ कुरियन की दूरदर्शिता व आत्मविश्वास अपना नया आकार पाया। इस भूमि पर जिन मनीषियों ने कार्य किया उन्होंने सिद्ध किया कि यदि उत्पादक स्वयं अपने संगठन के स्वामी बन जाएं, तो आर्थिक स्वतंत्रता किसी स्वप्न से कम नहीं होती। उदाहरणतया अमूल की सफलता केवल दुग्ध उत्पादन की कहानी नहीं है, यह विश्वास, सहभागिता और लोकतांत्रिक प्रबंधन की सफलगाथा है। इसी विरासत को नए युग की आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाने का संकल्प है-त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय, जिसे अमित शाह वर्षों से स्थापित करना चाहते थे। विश्व में यह विश्वविद्यालय उस परिवर्तनकारी सोच का प्रतीक माना जा रहा है, जिसमें सहकारिता को केवल डेयरी, चीनी या बैंकिंग तक सीमित नहीं किया जाएगा अपितु सहकारिता का विस्तार जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य पालन, बीज उत्पादन, पर्यटन, डिजिटल सेवाओं, ई-कॉमर्स, हरित ऊर्जा और ग्रामीण उद्यमिता को समेकित करते किया जाएगा। इस विश्वविद्यालय में आधुनिक प्रबंधन, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्तीय अनुशासन और वैश्विक दृष्टि पर बहसें होंगी। देश के उत्थान पॉलिसीज पर कार्य करने वाले चेंजमेकर यह मान रहे हैं कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय संभावनाओं का संस्थागत स्वरूप है। यहां से निकलने वाले विद्यार्थी केवल डिग्रीधारक नहीं लेकर निकालेंगे अपितु वे सहकारिता के नए राजदूत होंगे। वे गांवों में नई आशा की लौ जगाएंगे।

किसानों को बाजार से जोड़ेंगे। महिलाओं को आर्थिक शक्ति देंगे। युवाओं को उद्यमिता की राह दिखाएंगे। समाज में साझेदारी की संस्कृति को सुदृढ़ करेंगे। उनका कार्य आर्थिक प्रगति और सामाजिक संवेदनाओं दोनों को निर्मित करेंगे। इस विश्वविद्यालय के विजन प्लान को सही से पढ़ा जाए तो ऐसा लगता है कि एनईपी-2020 के माध्यम से शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध करने हेतु नहीं निर्धारित हुए हैं, अपितु वह व्यक्ति को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए भी है। उसके लिए ठीक-ठीक कार्य आईआईएम जैसे संस्थाओं से अधिक सहकारिता विश्वविद्यालय करेगा। यह उस क्षण का आरंभ है जब विद्यार्थी पुस्तकों से बाहर निकलकर जीवन की खुली पाठशाला में प्रवेश कर रहे हैं। वास्तव में वास्तविक विश्वविद्यालय वही है जो वास्तविक जीवन मूल्य परिवर्तन का माध्यम बने। नए जीवन की शुरुआत प्रथम दीक्षांत समारोह से जो शुरू करने जा रहे हैं वे रिश्क में नहीं हैं, अपितु वे सन्देश दे रहे हैं कि जीवन मूल्य भी अब सहकारिता से सुरक्षित होंगे। यह सहकारिता में नए आकाश में नई उड़ान है, चाहे कोई माने या न माने। यह उड़ान निःसंदेह सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह के संकल्पों से संभव हो पा रही है, ऐसा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्तिपूर्ण बात न होगी। हम सभी आज यह महसूस करने लगे हैं कि भारत की सहकारी व्यवस्था आज विश्व की सबसे बड़ी जन

आधारित आर्थिक व्यवस्थाओं में से एक है। करोड़ों नागरिक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहकारी संस्थाओं से जुड़े हैं। किसानों, महिलाओं, छोटे व्यापारियों, कारीगरों और ग्रामीण युवाओं के लिए सहकारिता केवल संस्था नहीं, बल्कि अवसर का द्वार है। लाभ और लोकहित के बीच संतुलन स्थापित कर नवाचार हेतु विकास का माध्यम सहकारिता बनने जा रही है। सहकारिता का प्राण उसके नैतिक मूल्यों में निहित है। विश्वास, पारदर्शिता, सहभागिता, उत्तरदायित्व और लोकतांत्रिक निर्णय, ये वे आधार हैं जिन पर सहकारिता का विशाल भवन खड़ा हुआ है। यदि इन मूल्यों के साथ त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय दायित्वबोध लेकर ऐसे चरित्रवान नेतृत्व का निर्माण करने की कोशिश कर रहा है तो इसकी प्रशंसा की जानी चाहिए।

विशेष विश्लेषण करने पर ऐसा लगता है कि यह विश्वविद्यालय सहकारिता के नए पक्षियों के कलरव से लोकमंगल का माध्यम बनने वाला है। जो 302 विद्यार्थी एवं 2 स्कॉलर को स्नातक एवं पीएचडी की उपाधि मिली है, यह तो एक शुरुआत है। केंद्रीय सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर ने गुजरात के आणंद में 'त्रिभुवन' सहकारी विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में कहा भी कि नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्धि" के संकल्प तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व में स्थापित 'त्रिभुवन' सहकारी यूनिवर्सिटी सहकारिता क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है। यह यूनिवर्सिटी भविष्य के सहकारी नेतृत्वकर्ताओं, शोधकर्ताओं और पेशेवर प्रबंधकों को तैयार कर भारत के सहकारी आंदोलन को नई दिशा और नई गति प्रदान करेगी। यह बात शत-प्रतिशत सही भी है और उनके प्रयासों का एक तरह से अभिनंदन भी है। सहकारिता को नया बौद्धिक आधार ऐसे विश्वविद्यालय की स्थापना से जो मिलने लगा है, जिसने ज्ञान, शोध, नवाचार और मानवीय मूल्यों का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया है तो ऐसे ऐतिहासिक पहल को स्वर्णाक्षरों में अंकित भी किया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमित शाह की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की जानी चाहिए। दरअसल, त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय उस विश्वास का प्रतीक अब बनने जा रहा है, जो संगठित समाज की शक्ति व किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पहल है। भारत इससे विश्व की सहकारिता को टक्कर देगा और देश को सशक्त बनाएगा, इसे नहीं भूलना चाहिए। महिला डिग्रीधारिकों की एक नई नवाचार की प्रयोगशाला होगी। महिलाएं सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेंगी, यह विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में शामिल होने जा रहा है।

हम खुद विश्व जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और असमानता जैसी चुनौतियों से लड़ेंगे और सहकारिता के माध्यम से सशक्त बनकर और भारतीय जनमानस को सशक्त बनाकर सामुदायिक भागीदारी और टिकाऊ विकास का नया मार्ग तैयार करेंगे। सहकारिता विश्वविद्यालय के संबंध में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के आणंद में इस विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह में इसके उद्देश्यों को विस्तार से रखा तो इसके बारे में जो भी कल्पनाएं लोग किए हों, लेकिन अब तो इस विश्वविद्यालय से सैकड़ों छात्र व शोधार्थी उपाधि प्राप्त करके भारत देश की सेवा में आगे बढ़ने जा रहे हैं। अब जो अनमने ढंग से इस पहल की आलोचना करते रहे होंगे उनके लिए भी एक सीख है कि देश के लिए पहले अपने मन में इच्छा पैदा करो, उसे संजोकर उसकी संकल्पना को स्वरूप दो और फिर उसे स्थापित करके मिसाल के रूप में पेश करो। अमित शाह की प्रसन्नता की अनुभूति निःसंदेह असीमित होगी क्योंकि सहकारिता के नए आकाश में नई उड़ान की यह देशव्यापी हर्ष व उल्लास की बेला है।

रक्षा प्रणाली

प्रमोद भार्गव

लंबी जंग की तैयारी के लिए सक्षम होता भारत

ऑपरेशन सिंदूर की छोटी लड़ाई के बाद भारत रक्षा-रणनीति में बदलाव के ऐसे संकेत दे रहा है कि पाकिस्तान या अन्य किसी देश से लंबी लड़ाई भी लड़नी पड़े तो उसकी युद्ध क्षेत्र में सक्षमता बनी रहे। नतीजतन पिछले सवा साल में भारत ने हथियार व अन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है अथवा उसकी तैयारी चल रही है। अतएव स्पष्ट संकेत है कि तीनों सेनाओं को अब सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और बहुस्तरीय लड़ाई के लिए तैयार किया जा रहा है। रक्षा क्रियान्वयन सलाहकार परिषद ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत हुए संघर्ष के बाद 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपये हैं। यह राशि कई वर्षों में धीरे-धीरे खरीद सौदों, निर्माण कार्यों और योजनाओं के आधुनिकीकरण पर खर्च होगी। हाल ही में भारतीय निजी उद्योगपतियों को भी बड़ी रक्षा सामग्री के निर्माण की अनुमति दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर तीन नौसेनिक जहाजों आइएनएस दूनागिरी, आइएनएस संशोधक और आइएनएस अग्रय को नौसेना के बेड़े को सुपुर्द करते हुए कहा है कि 'कोई भी राष्ट्र समुद्र में अपनी क्षमता बढ़ाए बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता है। ये संकेत स्पष्ट करते हैं कि ये तैयारियां भारत को सामरिक दृष्टि से वैश्विक पटल पर महत्वपूर्ण बना रही हैं। इन खरीदों में टैंक, तोप, ड्रोन, एयरडिफेंस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और लंबी दूरी के सटीक हमले के लिए एआई नेटवर्क आधारित युद्ध क्षमता को विकसित करने के बड़े संकेत हैं। दरअसल रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास और अमेरिका-ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों में चल रहे युद्ध को देखते हुए भारत की सैन्य सोच बदली है। हालांकि पनडुब्बियों और पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की भी बड़ी संख्या में जरूरत है। भारत ने मार्च 2025 में 54 हजार करोड़, जुलाई में 1.05 लाख करोड़, अगस्त में 67 हजार करोड़, अक्टूबर में 79 हजार करोड़ की रक्षा सामग्री खरीद के प्रस्ताव अलग-अलग देशों को दिए हैं। फरवरी 2026 में 3.6 लाख करोड़ की रक्षा सामग्री खरीद प्रस्तावों को मंजूरी देने के साथ 114 नए राफेल विमान भी खरीदे जा रहे हैं। इसी माह जुलाई में 52 हजार करोड़ की सामग्री सैन्य-बलों की जंगी क्षमता बढ़ाने के लिए दिए गए हैं। साफ है, भविष्य में भारत का किसी देश से युद्ध होता है तो वह लंबी लड़ाई की सामर्थ्य दिखाने में अग्रणी रहेगा। स्वदेशी तकनीक से निर्मित जो तीन युद्धपोत सेना में शामिल किए गए हैं, उनसे वाकई भारत की समुद्र में ताकत बढ़ी है, क्योंकि बीते कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेश में ही निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां समुद्र में तैनात कर दिए हैं। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने वाले ये जहाज और पनडुब्बियां भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ देश की औद्योगिक क्षमता बढ़ाने वाली है। आने वाले दिनों में इनके निर्यात के द्वार भी खुल जाएंगे। अतएव पश्चिम बंगाल की ब्लू इकोनोमी का बड़ा केंद्र बन जाएगा। भारत में नौसैनिकों की सुविधाओं के लिए 45 बड़े प्लेटफॉर्म भी तैयार किए जा रहे हैं। आइएनएस दूनागिरी अत्याधुनिक हथियारों और संवेदनशील प्रणालियों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल से संपन्न है।

ब्रह्मोस सतह से सतह और सतह से आकाश तक शत्रु पर सटीक हमला करने में युद्धपोत पर लगे नवीनतम उपकरण एवं स्टेल्थ तकनीक के कारण यह मिसाइल रडार की पकड़ में नहीं आती है। इसकी इस विलक्षणता के चलते ब्रह्मोस मिसाइल को दूसरे देश भी खरीद रहे हैं। आइएनएस संशोधक देश का सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत है। इसे तटीय क्षेत्रों व गहरे समुद्री इलाकों में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने तथा रक्षा एवं नगरिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। आइएनएस अग्रय पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है। उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों और अन्य खतरों का मुकाबला करने में इसे अत्यंत प्रभावी माना जा रहा है। यह टारपीडो, स्वदेशी रॉकेट लांचर और उथले जल के लिए विकसित सोनार प्रणाली से लैस है। इसके चलते समुद्र के भीतर गुप्त खतरे का इसे पता चल जाता है।

आत्मसंयमी होना श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण

संकलित

दर्शन

आत्मसंयम मनुष्य की ऐसी आंतरिक क्षमता है, जिसके आधार पर मनुष्य अपना समग्र विकास करने में सक्षम होता है। बुरी आदतों पर नियंत्रण आत्मसंयम की शक्ति से ही संभव है। असल में यही खराब आदतें हमारी प्रगति की राह में अवरोध बनती हैं। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मसंयम में सही ताल मिल जाए तो असंभव से लक्ष्य को भी सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। संयम एक ऐसा बीज मंत्र या आवरण है, जो हर स्थिति में कारगर होता है। इस संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं, उनका जीवन यही संदेश देता है कि उनके उत्कर्ष में आत्मसंयम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आत्मसंयमी होना श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण है। जिन लोगों में आत्मसंयम होता है उनका स्वास्थ्य, रिश्ते, आर्थिक स्थिति और करियर अन्य लोगों की अपेक्षा बेहतर होता है। ऐसे लोग जीवन से अधिक संतुष्ट रहते हैं। उन्हें जीवन अधिक सार्थक लगता है। आत्मसंयम का जीवन रचनात्मकता से ओतप्रोत होता है। यह सद्गुण काम, क्रोध, लोभ, मोह और भय को दूर करने के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व को गहराई एवं गंभीरता प्रदान कर उसके जीवन को सुखप्रद बनाता है। आत्मसंयम का महामंत्र आत्मसात कर हम असीमित इच्छाओं के अश्व की लगाम अपने हाथ में रख सकते हैं। थोड़ा गहराई में जाएं तो संयमी की यात्र कंकर से शंकर बनने की है। हमें अपने जीवन में आत्मसंयम की आवश्यकता इसलिए भी पड़ती है, ताकि हम पथ से भटके बिना अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल हो सकें।

गुरु की कृपा से असंभव काम पूरे हो पाते हैं

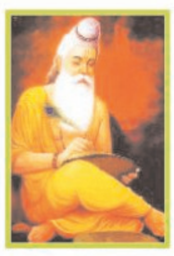

संकलित

प्रेरणा

महाभारत और श्रीमद् भागवद् कथा के रचियता महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं। इनका पूरा नाम कृष्णद्वैपायन था। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया। इसलिए इनका नाम वेदव्यास पड़ा। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि, रोमहर्षण आदि महर्षि वेदव्यास के महान शिष्य थे। एक बार महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर गए। उस समय गांधारी और धृतराष्ट्र ने उनकी बहुत सेवा की थी। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि ने सौ पुत्रों की माता होने का वरदान गांधारी को दिया था। कुछ समय बाद जब गांधारी गर्भवती हुईं। जब संतान के जन्म का समय आया तो संतान की जगह एक मांस पिंड प्रकट हुआ। जब ये बात वेदव्यास जी को मालूम हुई तो वे तुरंत गांधारी के पास पहुंचे। वेद व्यास जी ने अपनी विद्या से उस मांस पिंड से सौ पुत्र बना दिए। गुरु की कृपा से गांधारी सौ पुत्रों की माता बन गई। महर्षि के आशीर्वाद से ही गांधारी को सौ पुत्र हुए जो आगे जाकर कौरव कहलाए। जिनके सेनापति दुर्योधन हुए। महाभारत के युद्ध में दुर्योधन ने ही कौरव सेना की कमान संभाली थी। गुरु की कृपा हो जाती है तो असंभव काम भी पूरा हो जाता है। इसी लिए हम गुरु की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए ताकि उसका फल हमें मिले। कहा गया है की बिना गुरु ज्ञान अधूरा है। गुरु ही हमारा विपत्ति के समय मार्ग दर्शन करते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

होर्मुज संकट : विश्व आर्थिकी के लिए बढ़ता खतरा

अमरीका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक चिंता का विषय बना दिया है। यदि यह समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार व्यवस्था प्रभावित होगी। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय संघर्ष अब वैश्विक संकट का रूप ले सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। प्रतिदिन दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। जहाजों की आवाजाही अगर बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आना स्वाभाविक है। - *सुभाष यादव, बलौदाबाजार*

ट्रेंड

ट्रेड एग्रीमेंट

आज से भारत-यूके कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट लागू हो गया है। उम्मीद है कि यह अहम समझौता 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को $100 बिलियन तक पहुंचाएगा।
-**अन्नपूर्णा देवी,** केंद्रीय महिला विकास मंत्री

अंतरिक्ष उड़ान

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन ने अपनी पहली अंतरिक्ष उड़ान के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर कदम रखा है। यह मिशन नई रिसर्च, टेक्नोलॉजी में इनोवेशन और अंतरिक्ष अभियानों के लिए नई संभावनाओं का रास्ता खोलेगा।
- **सम्राट चौधरी,** सीएम, बिहार

पारदर्शी परीक्षा प्रणाली

पारदर्शी परीक्षा प्रणाली हर छात्र का अधिकार है। कांग्रेस पार्टी देश भर में छात्रों के इस अधिकार के लिए लड़ रही है। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में यह समस्या और भी गंभीर है, जहां व्यापम, पटवारी भर्ती, कॉन्स्टेबल भर्ती और नर्सिंग कॉलेज जैसे घोटाले हुए हैं।
- **कमलनाथ,** पूर्व सीएम, मध्यप्रदेश

दर्शकों का अपमान

फिल्मों पर सेंसरशिप असल में दर्शकों का अपमान है। स्मार्टफोन और बेहिसाब जानकारी तक पहुंच के इस दौर में, यह सोचना कि सरकार की बनाई कमेटी किसी सच्चाई के बारे में फिल्ममेकर के नजरिए से बालिग लोगों को बचा सकती है, ये सिर्फ पुरानी सोच है, बल्कि बेवकूफी भी है।
- **रामगोपाल वर्मा,** फिल्मकार

करंट अफेयर

ग्रेट बैरियर रीफ के लिए खतरा बना है जल प्रदूषण

जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लीचिंग) को आमतौर पर ग्रेट बैरियर रीफ के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है, लेकिन दुनिया की इस सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति प्रणाली के सामने खराब जल गुणवत्ता भी एक गंभीर चुनौती है। खेती, शहरों और वन क्षेत्रों से बहकर नदियों में पहुंचने वाली मिट्टी (तलछट) समुद्र में दूर तक पहुंच जाती है। इसकी अधिक मात्रा प्रवाल भित्तियों और समुद्री घास (सीग्रास) के मैदानों को ढक सकती है, जबकि उर्वरकों और कीटनाशकों के अवशेष स्थिति को और खराब कर देते हैं। जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है, लेकिन जल गुणवत्ता ऐसा मुद्दा है

ऑफ बीट

खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले (जिनका आहार अक्सर समुचित नहीं होता है), के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है।

संक्षेप

नारायण शर्मा सहित 25 को मिलेगा वृक्षारोपण में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। कैसरगंज के वरिष्ठ अधिवक्ता नारायण शर्मा ने अपनी पत्नी विमला शर्मा की स्मृति में तीन एकड़ खेत में वृक्षारोपण करके सराहनीय कार्य किया है। वे कैसरगंज तहसील में वकालत करते हैं और मूल रूप से बभननपुरवा गोड़हिया नंबर एक निवासी हैं।शाश्वत फाउंडेशन, अहमदाबाद द्वारा उनको इस अनुकरणीय कार्य के लिए आगामी 21 जुलाई को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक डॉ सत्यभूषण सिंह ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा ज़िले में वृक्षारोपण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करने के लिए वनस्पतिविद डॉ आनन्द श्रीवास्तव के कोआर्डिनेशन में एक चयन समिति बनायी गई थी जिसने ऐसे 25 लोगों का चयन किया है जिन्होंने इस वर्ष वृक्षारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।नारायण शर्मा के साथ ही डॉ यूपी सिंह, अभिषेक गुप्ता, राजित राम निषाद, सुभाष चंद्र नायक, मारुफा मोईन, अरविंद कुमार वर्मा, जगदीश वर्मा, पंकज सिंह, डॉ धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी, शेखर श्रीवास्तव, ज्योति स्वरूप, वर्तिका सिंह, कुलदीप गुप्ता सहित 25 लोगों को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान समारोह 21 जुलाई को किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बहराइच स्वायत्तशासी संस्था में आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव मेजर डॉ एस पी सिंह होंगे।

मिले 5 अज्ञात बच्चे

अमेठी , मिले पांच अज्ञात बालक-बालिकाओं को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद उनके सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए राजकीय विशेषीकृत बाल गृह, मोहान रोड, लखनऊ में संरक्षण प्रदान किया गया है।

कीचड़ भरे रास्ते से बुढ़वा बाबा पहुंचेंगे श्रद्धालु

आस्था के केंद्र तक पहुंचना मुश्किल, वर्षों से जर्जर मार्ग पर नहीं हुई सुनवाई

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। इस वर्ष श्रद्धालुओं को तीन किलोमीटर जर्जर और गड्ढे वाले मार्ग से यात्रा तय कर बुढ़वा बाबा के दर्शन कर पायेंगे।उम्मीद थी कि इस वर्ष सड़क का निर्माण हो जाएगा लेकिन जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते जर्जर सड़क का निर्माण नहीं हो सका जिससे श्रद्धालुओं को कीचड़ भरे रास्ते से गुजर कर जलाभिषेक के लिए जाना होगा। सावन के पवित्र महीने में जहां प्रदेश सरकार कांवड़ यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्थाओं का दावा कर रही है, वहीं बहराइच के प्रसिद्ध बूढ़ेश्वर नाथ (बुढ़वा बाबा) मंदिर तक पहुंचने वाला मार्ग श्रद्धालुओं की परीक्षा ले रहा है। मंदिर तक जाने वाली करीब तीन किलोमीटर सड़क वर्षों से बदहाल है। बरसात में सड़क कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो जाती है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। नानपारा विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक शिवपुर अंतर्गत रामपुर धोबियाहार स्थित बूढ़ेश्वर नाथ मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां प्रत्येक सोमवार और अमावस्या पर मेला लगता है, जबकि सावन में जलाभिषेक के लिए लखीमपुर खीरी, बहराइच, सीतापुर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती समेत पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां जलाभिषेक करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंदिर तक पहुंचने के लिए नानपारा-लखीमपुर हाईवे के मटिहा मोड़ से बाबूपुरवा तक सड़क ठीक है लेकिन बाबूपुरवा से बुढवा बाबा मन्दिर तक करीब तीन किलोमीटर का सफर कीचड़ में तय करना पड़ता है। यह सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है। जगह-जगह बड़े गड्ढे और जलभराव के कारण सड़क कीचड़ में बदल जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले सावन में कई श्रद्धालु फिसलकर घायल भी हुए थे, लेकिन इसके बावजूद सड़क के नवीनीकरण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। श्रद्धालुओं का आरोप है कि वर्षों से जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सड़क बनवाने की मांग की जा रही है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। नतीजतन, सावन शुरू होने के बावजूद श्रद्धालुओं को बदहाल सड़क से होकर ही मंदिर पहुंचना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदेश सरकार कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा, चिकित्सा, जलपान और अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष जोर देती है, लेकिन आस्था के इस प्रमुख स्थल तक जाने वाला मूलभूत सड़क मार्ग ही उपेक्षा का शिकार है। इससे श्रद्धालुओं में नाराजगी है। उल्लेखनीय है कि यह मंदिर बहराइच लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भाजपा सांसद डॉ. आनंद गोंड करते हैं, जबकि नानपारा विधानसभा से सहयोगी दल अपना दल (एस) के विधायक रामनिवास वर्मा हैं। शिवपुर ब्लॉक प्रमुख का पद भी भाजपा समर्थित प्रतिनिधि के पास है। इसके बावजूद वर्षों से तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण न होना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा और असंतोष का विषय बना हुआ है।

स्वर्ण आर्मी बहाराइच जिला इकाई में राजकुमार शर्मा को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। स्वर्ण आर्मी (सवर्ण सेवा न्यास) की बहाराइच जिला इकाई ने संगठन के विस्तार एवं जनसंपर्क को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राजकुमार शर्मा को जिला मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष विजय राज शुक्ला द्वारा जारी पत्र के माध्यम से यह जिम्मेदारी सौंपी गई। नियुक्ति-पत्र में संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि राजकुमार शर्मा अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन की गरिमा को बनाए रखेंगे तथा स्वर्ण समाज के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि संगठन को आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि नव नियुक्त जिला मीडिया प्रभारी संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाने तथा संगठन और समाज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने राजकुमार शर्मा को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और कार्यशैली से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा जनपद में संगठन की गतिविधियों को व्यापक पहचान प्राप्त होगी। राजकुमार शर्मा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की नीतियों एवं सामाजिक सरोकारों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के साथ-साथ समाजहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का हर संभव प्रयास करेंगे। स्वर्ण आर्मी बहाराइच जिला इकाई ने अंत में राजकुमार शर्मा के सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मीडिया प्रकोष्ठ संगठन की गतिविधियों को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इनरव्हील क्लब ने आयोजित किया मेडिकल कैम्प

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। गरीब मजदूरों के बच्चों के लिए ₹बालक विहान विद्यालय₹ निकट चिलवरिया चीनी मिल पर ₹इनरव्हील क्लब₹ की डाक्टरों की टीम डॉ अनुष्का केडिया (चर्म रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ तेजश्री जायसवाल (दन्त रोग विशेषज्ञ) ने 76 बच्चों का फ्री चेकअप किया। क्लब की अध्यक्ष ममता गुप्ता ने बताया सभी गरीब मजदूरों के बच्चों का चेकअप करके निशुल्क दवाएं भी वितरित की गयीं। सभी बच्चों को टूथपेस्ट, ब्रश, साबुन, वाटर बोतल, फल , कलर, पेंसिल, जनरल नॉलेज की बुक्स आदि सामग्री वितरित की गयीं। सभी अध्यापकों को शाल पहना कर क्लब के सदस्यों ने सम्मान किया एवं क्लब द्वारा पर्यावरण सुरक्षा के लिए स्कूल में 50 फल के पौधों का वृक्षारोपण भी किया गया । बच्चों की ड्रीम वाल, क्विज प्रतियोगिता , मेडिटेशन एवं योगाभ्यास भी कराया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष ममता गुप्ता, संध्या गोयल (कोषाध्यक्ष), डॉ अनुष्का केडिया (करड), डॉ तेजश्री (एडीटर), ममता केडिया (पूर्व अध्यक्ष) अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

नाबालिग का अपहरण करने वाला आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार, किशोरी सकुशल बरामद

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। थाना रूपईडीहा पुलिस ने शादी का झांसा देकर नाबालिग किशोरी का अपहरण करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहृत किशोरी को भी सकुशल बरामद कर लिया है।पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांश गौतम के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की।

पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के खुशलीपुरवा निवासी महिला ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी लगभग 13 वर्षीय पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है। इस संबंध में थाना रूपईडीहा पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कस्बा रूपईडीहा स्थित बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर वांछित आरोपी तिल्ली उर्फ वारिस अली पुत्र अब्बास अली, निवासी रूपईडीहा गांव, थाना रूपईडीहा, जनपद बहराइच को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के दिशा-निदेर्शों का पालन किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया।

महिला ने लगाया ठगी का आरोप, किया न्याय की मांग

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र की चौकी वैवाही अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर धोबियाहार से एक मामला सामने आया है। जहां कबडियनपुरवा रामपुर धोबिया निवासी एक महिला बेबी पत्नी फैय्याज ने आरोप लगाया है कि गांव के एक व्यक्ति ने उससे जमीन बेचने के नाम पर 1.37 लाख रुपये ले लिए, लेकिन अब न तो भूमि का बैनामा कर रहा है और न ही पैसे वापस लौटा रहा है। पीड़ित महिला का पति विदेश में रहकर मजदूरी करता है, और वह घर में अकेली रहती है। महिला ने बताया कि उसने मकान बनाने के लिए गांव निवासी मजनू कुरैशी पुत्र अली अहमद से तीन बिस्वा जमीन 50 हजार रुपये प्रति बिस्वा के हिसाब से डेढ़ लाख रुपये में खरीदने का सौदा किया था। करीब दो महीने पहले महिला ने अपने जेवर बेचकर और ब्याज पर पैसे लेकर 1.37 लाख रुपये मजनू कुरैशी को दिए थे। महिला का आरोप है कि पैसे लेने के बाद भी मजनू कुरैशी न तो उसे जमीन का बैनामा दे रहा है और न ही उसके पैसे वापस कर रहा है। इस संबंध में महिला ने स्थानीय चौकी पर शिकायत दर्ज कराई थी। चौकी पर दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ था कि महिला शेष 13,000 रुपये देकर तीन बिस्वा भूमि का बैनामा करवा लेगी। हालांकि, समझौते के बावजूद मजनू कुरैशी ने बात नहीं मानी और कथित तौर पर लोगों के बहकावे में आकर महिला के साथ मारपीट पर उतारू हो गया। इसके बाद पीड़िता ने न्याय की गुहार लगाते हुए पुनः स्थानीय चौकी पर प्रार्थना पत्र दिया है। इस मामले में चौकी प्रभारी शशि प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों को दोबारा बुलाया गया है और जल्द ही संतोषजनक निर्णय कराया जाएगा।

पुस्तैनी जमीन पर कब्जे के प्रयास से हड़कंप, पुलिस ने हटवाई चार गुमटियां

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित कस्बा रुपईडीहा में सड़क किनारे स्थित खाली एवं कीमती जमीनों पर कथित भू-माफियाओं की नजर होने की चचाओं के बीच शनिवार को नेपालगंज रोड स्थित टंडन मार्केट के सामने एक पुस्तैनी भूमि पर कथित कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जमीन पर रखवाई गई चार लोहे की गुमटियों को हटवाकर अन्यत्र रखवा दिया, जिससे संभावित विवाद टल गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार नेपालगंज निवासी टिल्लू शर्मा की टंडन मार्केट के सामने स्थित पुस्तैनी जमीन लंबे समय से खाली पड़ी है। आरोप है कि शनिवार सुबह करीब नौ बजे कुछ लोग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से चार बड़ी लोहे की गुमटियां लाकर जमीन पर रखकर कब्जा करने का प्रयास करने लगे। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने इसका विरोध किया और तत्काल थाना रुपईडीहा पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही नवागत थाना प्रभारी हरेन्द्र कुमार मिश्रा के निर्देशन में पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए जमीन पर रखी गई गुमटियों को हटवा दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मौके पर किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं बनने पाई। भू-स्वामी टिल्लू शर्मा ने बताया कि उक्त भूमि उनके पूर्वजों की पुस्तैनी संपत्ति है तथा लंबे समय से उस पर उनका ही कब्जा है। उनका आरोप है कि बाबागंज निवासी कुछ लोगों ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की है। उन्होंने बताया कि इस भूमि को लेकर न्यायालय में वाद भी लंबित है। उनका यह भी कहना है कि कुछ दिन पूर्व रात करीब एक बजे भी कब्जे का प्रयास किया गया था, लेकिन सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों के सहयोग से वह प्रयास विफल हो गया था। टिल्लू शर्मा ने प्रशासन से मांग की है कि न्यायालय में मामला लंबित होने तक यथास्थिति बनाए रखी जाए तथा उनकी पुस्तैनी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा न होने दिया जाए। वहीं, स्थानीय नागरिकों का कहना है कि संबंधित भूमि टिल्लू शर्मा की पुस्तैनी संपत्ति है और विवादित स्थिति को देखते हुए प्रशासन को निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए, ताकि कस्बे में किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न न हो।इस संबंध में थाना प्रभारी रूपईडीहा हरेंद्र कुमार मिश्रा से बात की गई तो उन्होंने कहा की कानून व्यवस्था से किसी को खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा। चूंकि मामला न्यायालय में है इसलिए जो न्यायालय का निर्देश होगा इस पर अमल किया जाएगा। पुलिस पूरी मुस्तैदी से मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

मगरमच्छ के हमले में मृतक बालक के परिजनों से डीएम व एसपी ने किया भेंट, बंधाया ढांढस

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। तहसील महसी के परगना फखरपुर अन्तर्गत ग्राम टिकुरी में गुरुवार को अपरान्ह लगभग 03:30 बजे घाघरा नदी में मगरमच्छ के हमले में 12 वर्षीय बालक सुनील सिंह पुत्र स्व. बुधराम सिंह की मृत्यु हो गई है। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्वत व अन्य अधिकारियों के साथ ग्राम टिकुरी स्थित घटना स्थल का भ्रमण कर घटना के बारे में जानकारी प्राप्त की। डीएम ने मृतक बालक के शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतक बालक के छोटे भाई संजय सिंह आयु लगभग 11 वर्ष व छोटी बहन सीमा सिंह आयु लगभग 07 वर्ष को परिजनों की सहमति से अच्छे स्कूल में शिक्षा दिलाये जाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि मृतक बालक के हिताधिकारियों को अहेतुक सहायता प्रदान करने हेतु कार्यवाही की जा रही है। जल्द ही सरकार द्वारा अनुमन्य धनराशि रू. पांच लाख हस्तगत करा दी जायेगी। डीएम श्री त्रिपाठी ने घटना स्थल मौजूद ग्रामवासियों से अपील की कि सर्तकता बनाये रखें। विशेषकर छोटे बच्चों को नदी व पोखरों के आस-पास न जाने दें।

हर नदी तालाब में अब मौजूद हैं मगरमच्छ ग्रामीण रहें दूर: लखमानी

श्रमिक बालिकाओं को किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार / मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। शनिवार को फ्रेंड्स आफ कतर्नियाघाट की ओर से मगरमच्छ के हमलों को लेकर श्रमिक बालिकाओं को जागरूक करते हुए घाघरा, सरयू व अन्य नदियों के किनारे रहने वाले ग्रामीणों को मगरमच्छ से सावधान रहने का संदेश दिया गया, ज्ञात हो कि एक दिन पहले बौडी क्षेत्र में एक बालक को मगरमछ घसीट ले गया और उसकी मृत्यु हो गई, श्रमिक बालिकाओं को फ्रेंड्स आफ कतर्नियाघाट के मुखिया बीडी लखमानी ने बताया कि नेपाल और कतर्नियाघाट में घड़ियाल के संरक्षण के लिए किए गए कार्यों की वजह से अब मगरमच्छों की संख्या भी बहुत बढ़ गई है, घाघरा सरयू और अन्य हर नदियों में मगरमच्छ मौजूद है इसलिए ग्रामीण स्वयं और अपने बच्चों को नदी तालाब पोखर की ओर किसी भी काम जैसे मछली पकड़ने, नहाने, हाथ पैर धुलने, मवेशी को नहलाने आदि के लिए बिल्कुल न जानें दें और बालिकाओं से अपील की कि छुट्टियों में घर जाने पर अन्य लोगों को इस बारे में अवश्य बताएं।इस अवसर पर स्कूल वार्डन प्रगति सिंह, शिक्षक धर्मेन्द्र वर्मा, शिक्षिकाओं में निधि मिश्रा, प्रियंका श्रीवास्तव एवं पूजा यादव मौजूद रहे।

किसान कृषि यंत्रों की खरीद पर छूट पाने के लिए करें ऑनलाइन बुकिंग

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। सरकार द्वारा किसानों को कृषि यंत्रों की खरीद पर मिलने वाली छूट की शुभारंभ कर दी गई है किसान छूट का लाभ लेने के लिए बुकिंग कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं उप कृषि निदेशक डॉ विनय कुमार वर्मा ने बताया कि 16 जुलाई2026 को दोपहर 12.00 बजे से अनुदान पर कृषि यंत्रों की बुकिंग प्रारंभ हो गई है जिले के सभी किसान भाई 10 अगस्त 2026 की रात्रि 12:00 बजे तक ऑनलाइन कृषि यंत्रों को बुक कर सकेंगे जनपद बहराइच के समस्त किसान भाइयों को सूचित किया जाता है कि कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्रों पर अनुदान हेतु बुकिंग प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।किन-किन यंत्रों पर मिलेगा अनुदान :-1- सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन के अंतर्गत - कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना लागत रू० 10.00 लाख), फार्म मशीनरी बैंक (रू० 10.00 लाख), किसान ड्रोन, कम्बाइन हार्वेस्टर एवं अन्य एकल कृषि यंत्र।2- फसल अवशेष प्रबंधन के अंतर्गत - फसल अवशेष प्रबंधन के एकल कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर (रू० 30.00 लाख) एवं एग्रीगेटर (रू० 100.00 लाख)।3- अन्य योजनाएं - त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पॉपिंग मशीन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत मिलेट पर्लर, कीट रोग नियंत्रण हेतु स्प्रेयर, बखारी, दलहन मिशन के अंतर्गत दाल मिल।4- कृषि ड्रोन हेतु अनिवार्य अहर्ता कक्षा 10 उत्तीर्ण या उसके समकक्ष, अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है एवं डीजीसीए द्वारा जारी रिमोट पायलट लाइसेन्स रखने वाले कृषक ही बुकिंग करें। 5- यन्त्र क्रय करने के लिये कृषक को यन्त्र के मूल्य की 50 प्रतिशत धनराशि अपने बैंक खाते से कृषि यन्त्र विक्रेता के बैंक खाते में बिल की दिनांक या उससे पूर्व हस्तांतरित करना अनिवार्य है।6- समस्त कृषि यन्त्र क्रय करने के उपरान्त जीएसटी बिल (टैक्स इनवाइस) लेना अनिवार्य है एवं कृषि विभाग से इम्पैनल्ड निमार्ता/विक्रेता के यहां से ही यन्त्र क्रय करना अनिवार्य है।7- समस्त कृषि यन्त्र विक्रेता अपने यन्त्र पर एमआरपी आवश्यक रूप से प्रदर्शित करें एवं एमआरपी निमार्ता की वेबसाइट एवं कृषि यन्त्र विक्रेता के शोरूम पर प्रदर्शित एमआरपी के बराबर होनी चाहिये।आवेदन प्रक्रिया:-यंत्रों की बुकिंग/आवेदन विभागीय पोर्टल www. agriculture. up. gov. inपर ऑनलाइन विकास खण्ड वार की जाएगी। एग्रीगेटर (100 लाख) एवं शुगरकेन हार्वेस्टर सेल्फ प्रोपेल्ड की बुकिंग राज्य स्तर पर होगी। किसान पोर्टल पर किसान कॉर्नर के अन्तर्गत 'यन्त्र बुकिंग प्रारम्भ' पर क्लिक कर आवेदन कर सकते हैं।जनपद के इच्छुक किसान भाई समयान्तर्गत अपना आवेदन करना सुनिश्चित करें।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई विवाहिता की मौत

आरोपों के दौर में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का होगा खुलासा

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। संदिग्ध परिस्थितियों में एक वर्ष पूर्व विवाहित महिला की मौत से परिजनों में मातम, संवैधानिक कार्यवाही में जुटी खैरीघाट पुलिस व फॉरेंसिक टीम। जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बरदहा कला निवासी रामसागर पुत्र कन्हई निषाद की पत्नी चांदनी निषाद उम्र करीब 22 वर्ष की अज्ञात कारणों से मौत की खबर ने आज शनिवार को परिजनों में मातम का माहौल बना दिया। सूचना पर ग्रामीणों की काफी भीड़ जुट गई। सूचना पुलिस को दी गई जिस पर खैरीघाट पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेते हुए आवश्यक जांच पड़ताल पूर्ण की है, जबकि फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य संकलन किए हैं। उक्त संबंध में थानाध्यक्ष खैरीघाट प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि 1 वर्ष पूर्व विवाहित महिला की मृत्यु की सूचना के आधार पर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है, आवश्यक विधिक कार्यवाही जारी है,, हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

बरामदे में सो रहे बुजुर्ग पर बाघ का हमला, इलाज के दौरान मौत

ककरहा रेंज के अहिरनपुरवा गांव का मामला

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच।कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में शनिवार तड़के घर में घुसकर बाघ ने एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया जो गंभीर रूप से घायल हो गए परिजनों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान की मौत हो गई। ग्रामीण जहां बाघ के हमले की बात कह रहे हैं वहीं वन विभाग तेंदुए के हमले की बात कर रहा है।

ककरहा रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत ककरहा के मजरा अहिरनपुरवा में श्रीराम यादव 88 वर्ष अपने घर के बरामदे में सो रहे थे शनिवार सुबह लगभग चार बजे जंगल से निकले बाघ ने घर में घुसकर बरामदे में सो रहे श्री राम यादव पर अचानक हमला कर गर्दन दबोच लिया आसपास के लोगों ने किसी प्रकार से श्री राम को तेंदुए से छुड़ाया और इसकी सूचना वन विभाग को दी और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा लेकर चले आए यहां पर प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने जिला चिकित्सालय रेफर किया जहां पर मौत हो गई। बाघ के हमले के बाद से गांव में दहशत का माहौल है ग्रामीणों ने वन विभाग से गस्त तेज करने तथा पिंजरा लगाकर बाघ को पकड़ने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि वन विभाग की टीम क्षेत्र में सक्रिय होती तो शायद यह घटना नहीं घटती। प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्व दीक्षित ने बताया कि घटना की जानकारी हुई है मौके पर वन विभाग की टीम को भेजा गया है घटना बाघ की नहीं बल्कि तेंदुए की है ,तेंदुए के हमले में घायल की मौत हो गई है पीड़ित परिवार को तत्कालीन अहेतुक सहायता राशि प्रदान की गई है क्षेत्र में वन टीम को लगाया गया है लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशन में जल्द पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ा जाएगा।

संक्षेप

ग्रामीणों ने एसपी से लगाई गुहार

बोले- झूठी गवाही का बना रहा दबाव, पुश्तैनी मकान तुड़वाने की देता है धमकी

बागपत , राजपुर खामपुर गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एक व्यक्ति और उसके साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आरोपी लंबे समय से लोगों का उत्पीड़न कर रहा है, जबरन अवैध वसूली करता है और विरोध करने पर मकान तुड़वाने की धमकी देता है। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी विशेष रूप से अशिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निशाना बनाता है। उन पर दबाव बनाकर पैसे वसूलने का प्रयास किया जाता है। शिकायतकताओं के अनुसार, अधिकांश पीड़ित परिवार मेहनत-मजदूरी या दूध का व्यवसाय कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। शिकायत करने वाली एक महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी का एक मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उस मामले में वह उस पर झूठी गवाही देने का दबाव बना रहा है। महिला ने कार्रवाई कर सुरक्षा दिलाने की मांग की है। ग्रामीण नफीस ने बताया कि आरोपी काफी समय से गांव के लोगों को परेशान कर रहा है। वह ग्रामीणों के पुश्तैनी मकानों को तुड़वाने की धमकी देता है और अपनी ऊंची पहुंच होने का दावा कर लोगों में भय का माहौल बनाता है। ग्रामीणों ने आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सड़क निर्माण रुका-ग्रामीणों ने डीएम से शिकायत की

बिहारीपुर में सार्वजनिक रास्ते पर अवैध खंडजे बनाने का आरोप

बागपत ,बिहारीपुर गांव में सड़क निर्माण कार्य को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर आरोप लगाया है कि सार्वजनिक रास्ते पर कुछ लोगों की ओर से अवैध रूप से खंडजे बनाकर सड़क निर्माण में बाधा डाली जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। शिकायती पत्र के अनुसार, गांव बिहारीपुर का रास्ता नंबर 209 मुख्य मार्ग है, जो आबादी क्षेत्र से गुजरता है। यह रास्ता पिछले 30-40 वर्षों से गांव के लोगों के आवागमन का प्रमुख साधन रहा है। इसी मार्ग से बिहारीपुर गांव खेड़पुरा से जुड़ता है और किसान अपने खेतों तक पहुंचते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा वर्तमान में सीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। हालांकि, कुछ व्यक्तियों ने इस रास्ते पर खंडजे बनाकर निर्माण कार्य को रोक दिया है। इससे सड़क निर्माण प्रभावित हो रहा है और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली और कृषि यंत्रों के साथ खेतों तक आते-जाते हैं। सड़क निर्माण में रुकावट के कारण किसानों को विशेष रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में यह स्थिति और गंभीर हो सकती है, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि विवादित खंडजों को तत्काल हटवाकर सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए। इससे गांव के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और किसानों को अपने कृषि कार्यों में कोई बाधा नहीं आएगी।

वाह री अंधेर भीड़ जुटाने के लिए ग्राम चौपाल में लाए गए नौनिहाल

मजाक बनी ग्राम चौपाल ग्रामीण कर रहे बहिष्कार

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर , देश में वर्तमान सरकार भले ही अपना जबरन झंडा गाड़ती घूम रही है लेकिन वास्तविकता को कोई छुपा नहीं सकता जगह-जगह वर्तमान सरकार के कार्यक्रमों में आम नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराना छोड़ दिया कार्यक्रम में भीड़ न होने पर कार्यक्रम की अगुवाई करने वाले कुर्सियों का स्थान भरने के लिए स्कूली नौनिहाल छात्रों को लेकर प्रतिष्ठित कर देते हैं जहां ग्राम चौपाल की जमकर धज्जियां उड़ रही हैं ताजा मामला जनपद के मलवा विकासखंड अंतर्गत आशापुर ग्राम पंचायत का सामने आया जहां विगत दिवस शुक्रवार को आयोजित ग्राम चौपाल में यही दृश्य देखने को मिला वर्तमान सरकार तथा जहानाबाद विधानसभा के विधायक राजेंद्र पटेल द्वारा कई मामलों में शासन संबंधी पारदर्शी कार्य में लापरवाही उदासीनता एवं अनुशासनहीनता आदि को देखते हुए सुधार के दिशा निर्देश दिए गए थे परंतु वह सब सफेद हाथी बनकर रह गए

गांव गांव मौजूद है सरकार के मियां मिट्ठू

वर्तमान सरकार की क्रिया शैली निम्न स्तर के कार्यकर्ता तथा गांव-गांव जनप्रतिनिधियों द्वारा स्थापित किए गए मियां मिट्ठुओं के द्वारा छिन्न भिन्न हो रही है जहां क्षेत्रीय विधायक ने दिशा निर्देश दिए वही व्यवस्था सुधार के नाम पर कमजोर कड़ी पर कार्यवाही कर हकीम स्वयं की पीठ थपा रहे वही कागजी कार्रवाई औपचारिकता पूर्व काल की तरह पुनः दिखाई दी जिसे देखते हुए ग्राम चौपाल में बहुत कम मात्रा में ग्रामीण पहुंचे आयोजक समिति ने ग्रामीणों की संख्या कम देखते हुए काफी

समय तक ग्रामीणों का इंतजार किया परंतु जब गांव के नागरिक वहां नहीं पहुंचे तो सरकारी विद्यालयों के नौनिहाल नन्हे मुन्ने बच्चों को लेकर कुर्सी पर विराजमान कर दिया गया ग्राम चौपाल के बीच बैठे 5 वर्ष के बच्चे आखिर राजनीति या विकास की क्या चर्चा करेंगे यह आम जन मानस अच्छी तरह जानता है वही इस मुहिम की जमकर धज्जियां उड़ रही हैं प्रत्येक ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधियों के चुने हुए मियां मिट्ठू ही वर्तमान सरकार की मिट्टी पलीत करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं अनेक चर्चाएं करते हुए क्षेत्र वासियों ने बताया कि वास्तव में यदि जनपद की जिलाधिकारी समूचे मलवा विकासखंड के ग्राम चौपाल कार्यक्रम की सुचारू रूप से जांच करा लें तो संबंधित अधिकारी कर्मचारियों की भी पोल खुलने में समय नहीं लगेगा ठीक इसी प्रकार जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र में बहुत सारे ऐसे ही गांव हैं

पान पुड़िया बेचने वाले के ऊपर चाकू से हमला आरोपी गिरफ्तार

सामान देने से मना किया तो युवक ने किया वार

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के हथगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत बिगत दिवस 15 जुलाई को गांव संडीखेड़ा निवासी पान मसाले के एक छोटे दुकानदार गुलाब यादव के पुत्र पर एक युवक ने धारदार चाकू से हमला कर दिया पीड़ित गुलाब यादव ने नजदीकी थाने में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि उनका 16 वर्षीय पुत्र रितिक यादव पिता के मौके पर ना रहने पर पान मसाले की दुकान पर बैठा था इसी बीच ग्रामीण 33 वर्षीय युवक हरिओम पुत्र जगजीवन मौर्य दुकान पर सामान लेने पहुंचा जहां बेटे ऋतिक सामान देने से मना कर दिया उधार सामान ना देने पर हाथ में चाकू लिए आरोपी युवक ने ऋतिक के ऊपर हमला कर दिया जहां बचाव करने के बाद भी बेटे ऋतिक के हाथ में गंभीर चोट पहुंची वहीं आरोपी गाली गलौज करते हुए जान से मार देने की धमकी देकर भाग खड़ा हुआ पीड़ित की तहरीर के आधार पर हथगांव थाना प्रभारी ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए खोजबीन कर आरोपी हरिओम उर्फ ओम हरि को गिरफ्तार कर लिया वहीं आरोपी ने हमले की बात कबूल की आरोपी के ही निशान देही पर घटना में प्रयुक्त चाकू एक मोबाइल फोन तथा 890 रुपए नगद बरामद किए गए हथगांव थाना उप निरीक्षक सुदामा प्रसाद मुख्य आरक्षी हरेंद्र यादव तथा आरक्षी पवन कुमार आदि की मौजूदगी में आरोपी को गिरफ्तार कार्यवाही की गई

सूना घर पाकर महिला जेवर लेकर हुई रफू चक्कर

मजदूरी करके घर वापस आए पति ने नजदीकी थाने में दर्ज कराई गुमशुदगी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर ,जनपद के किशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव पलवाहर निवासी मजदूर सोनू सोनकर ने नजदीकी थाना किशनपुर पहुंचकर लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह मेहनत मजदूरी करके फेरी लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है सोनू का विवाह लगभग 8 वर्ष पहले महिला सीमा देवी के साथ हुआ था प्रतिदिन की भांति ही सोनू कल शनिवार को काम पर चला गया वही घर में मौजूद अकेली पत्नी घर में रखें सोने चांदी के सभी आभूषण लेकर फरार हो गई काम से वापस आने पर सोनू ने घर में चारों तरफ सामान बिखरा हुआ देखा तथा पत्नी नहीं मिली आसपास परिजन रिश्तेदारी आदि में तलाश करने का भरसक प्रयास किया परंतु पत्नी सीमा देवी का कोई सुराग नहीं लगा हताश होकर पति सोनू ने नजदीकी थाने में गुमशुदगी शिकायत दर्ज कराई जहां सोनू ने बताया कि घर में रखी नगदी समेत जेवरात महिला ले गई है थाना प्रभारी मनीष सिंह ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज करते हुए मामले की जांच प्रारंभ की

घर से गायब छात्रा का सुराग नहीं मिला

3 दिन बाद भी पता नहीं चलने से परेशान परिजनों ने थाने पर हंगामा किया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , रोहटा थानाक्षेत्र में बीए की छात्रा पिछले तीन दिनों से घर से गायब है। छात्रा के परिजन लगातार परेशान हो रहे हैं। बेटी कहां चली गई। अब तक उसका सुराग नहीं मिला है। इसी बात से नाराज परिजनों ने दोपहर 12:30 थाना पर पहुंचे। परेशानी बताकर थाने पर ही हंगामा किया। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर छात्रा की तलाश तेज कर दी हललिता गौतम कांड से बढ़ी चिंता मेरठ में पिछले दिनों कपसाड़ कांड फिर ललिता गौतम हत्याकांड के मामले अभी होकर चुके हैं। इसके बाद दोबारा रोहटा से एक छात्रा का गायब होना चिंता का विषय बन चुका है। घरवालों को डर है कि उनकी बेटी के साथ अनहोनी न हो जाए। डालूपट्टी अट्टा गांव की बीए की एक अन्य छात्रा तीन दिन से लापता है। छात्रा के परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई में लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने में हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि गुमशुदगी दर्ज कर छात्रा की तलाश के लिए टीमों को लगाया गया है।

बिना बताए घर से निकली थी छात्रा परिजनों के अनुसार, डालूपट्टी अट्टा गांव निवासी शगुन उर्फ आरजू 13 जुलाई की सुबह करीब नौ बजे घर से बिना बताए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। उस समय घर पर उसकी मां अकेली थीं, जबकि भाई-बहन स्कूल गए हुए थे और पिता अपनी दुकान पर थे। दोपहर तक छात्रा के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने रोहटा थाना पुलिस को सूचना दी। एक युवक पर जताई आशंका परिजनों ने गांव के एक युवक पर छात्रा को ले जाने की आशंका जताई। पुलिस ने पूछताछ के लिए युवक को हिरासत में लिया, लेकिन पूछताछ में कोई ठोस जानकारी नहीं मिलने पर उसे छोड़ दिया गया। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। थाने में हुआ हंगामा गुरुवार को ग्राम प्रधान दीपक के नेतृत्व में ग्रामीण और परिजन थाने पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि संदिग्ध युवक को बिना पर्याप्त जांच के छोड़ दिया गया। इस दौरान थाना प्रभारी और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। बाद में ग्राम प्रधान के हस्तक्षेप से मामला शांत कराया गया। पुलिस बोली-तलाश जारी है पुलिस ने छात्रा के पिता सतीश की तहरीर पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी पूजा पंवार ने बताया कि छात्रा की तलाश लगातार की जा रही है सीओ सरधना आशुतोष कुमार ने कहा कि -छात्रा की तलाश के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है । और जल्द उसे खोजने का प्रयास किया जा रहा है।

साहिल-मुस्कान की वकील ने 3 गवाहों पर उठाए सवाल

मेरठ के सौरभ राजपूत हत्याकांड में चल रही फाइनल जिरह

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , चर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड में डिफेंस की वकील ने गवाहों की गवाही पर सवाल खड़े किए। जिला जज की कोर्ट में केस की फाइनल जिरह की डेट लगी थी। इस दौरान साहिल-मुस्कान यानि बचाव पक्ष की वकील ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने फाइनल जिरह में अभियोजन पक्ष के तीन गवाहों की गवाही पर सवाल उठाए। बता दें कि सौरभ राजपूत मर्डरकेस का ट्रायल चल रहा है। जिला जज की कोर्ट में लगातार केस की सुनवाई हो रही है। इसमें 22 गवाहों की गवाहियां पूरी होने के बाद फाइनल जिरह शुरू हो चुकी है। अभियोजन पक्ष अपना पक्ष रख चुका है। अब डिफेंस अपना पक्ष रहा है। ड्रम विक्रेता, चाकू विक्रेता और दोस्त पर उठाए सवाल सीनियर एडवोकेट विजय बहादुर सिंह ने बताया कि डिफेंस की एडवोकेट ने ऑग्यूमेंट किया है। उन्होंने 3 गवाहों से जुड़े सवाल पूछे। इसमें सौरभ के दोस्त सौरभ जिसने साहिल को मृतक सौरभ के घर रात में साढ़े बारह बजे जाते देखा था उसकी गवाही पर सवाल किया। बर्तन दुकान संचालक राकेश कुमार जिसके यहां से मुस्कान ने चाकू और उस्तरा खरीदा था। तीसरा गवाह ड्रम विक्रेता सैफुद्दीन है जिससे साहिल, मुस्कान ने सौरभ की लाश को ठिकाने लगाने के लिए नीला ड्रम खरीदा था। केस में कुल 22 गवाह हैं । इसलिए जुलाई अंत तक आने की संभावना है।

बेटे ने पिता की 6 गोलियां मारकर हत्या की

150 करोड़ की प्रॉपर्टी चाहता था, मां लाश देख चीखी, कहा- तूने घर उजाड़ दिया

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , 150 करोड़ की प्रॉपर्टी के विवाद में बेटे ने पिता की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, रात 12 बजे बेटे ने पिस्टल से पिता के चेहरे, सीने और पेट में 6 गोलियां मारीं। बेटा शराब पीकर घर आया था। पिता ने उसे डांट दिया। इसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया। पति का शव देखकर मां चीख पड़ी। बेटे से कहा- तूने पूरा घर उजाड़ दिया। वहीं, गोलियों की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बेटा भाग चुका था। आरोपी बेटा निखिल (32) प्रॉपर्टी अपने नाम कराने के लिए पिता हरिओम चौधरी (52) पर दबाव बना रहा था। हरिओम इसके लिए तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि बेटा जमीन बेचकर शराब पी जाएगा। रात को भी जब पिता ने डांटा, तो झगड़ा बढ़ा और निखिल ने पिता की हत्या कर दी। आरोपी बेटे की तलाश में पुलिस की 4 टीमें लगाई गई हैं। घटना मोदीनगर थाना क्षेत्र की है। करीब 8 साल पहले निखिल ने अपने छोटे भाई नीशू को भी गोली मारी थी, लेकिन उसकी जान बच गई थी।25 बीघा जमीन बेटे के नाम थी, पूरी प्रॉपर्टी लेना चाहता थाहरिओम बुदाना गांव के रहने वाले थे। वह संपन्न किसान थे। मोदीनगर में उनके नाम पर 75 बीघा जमीन और दिल्ली-मेरठ रोड पर जीवन अस्पताल के सामने एक मार्केट है। उनकी कुल संपत्ति करीब 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है। परिवार में पत्नी मीनाक्षी, बड़ा बेटा निखिल और छोटा बेटा नीशू हैं दोनों बेटों की शादी नहीं हुई है।पिता से पहले हाथापाई की, फिर गोली मारी एसीपी ने बताया- रात हरिओम चौधरी ने पत्नी और छोटे बेटे के साथ खाना खाया। उस समय बड़ा बेटा निखिल घर पर नहीं था। वह देर रात शराब पीकर घर पहुंचा। पिता ने शराब पीकर आने पर उसे डांट दिया। इस पर निखिल ने पिस्टल निकाल ली और पिता से गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। शोर सुनकर हरिओम की पत्नी मीनाक्षी और छोटा बेटा नीशू भी वहां पहुंच गए। इसी दौरान हाथापाई हुई और निखिल ने पिता पर ताबड़तोड़ 6 गोलियां चला दीं। गोली लगते ही हरिओम फर्श पर गिर पड़े। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पड़ोसी बोले- शाही जिंदगी जीता था निखिल पड़ोसियों ने बताया कि निखिल की लाइफस्टाइल शाही रही है। वह बुलेट से चलता था। अक्सर अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाता था। यह बात मां मीनाक्षी और पिता हरिओम को पसंद नहीं थी। उन्हें लगता था कि घर की खेती की जितनी कमाई है, वह सब बेटा पार्टी में उड़ा रहा है।

महिलाओं ने हाथ में कटोरा लेकर प्रदर्शन किया

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद व्यापारियों की बैठक, बोले-आंदोलन जारी रहेगा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, सेटबैक प्रकरण में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद व्यापारियों की आज आपातकालीन बैठक हो रही है। दोपहर 1 बजे से धरना स्थल पर ही शुरू हुई इस बैठक में योजना संख्या-7, शास्त्री नगर, जागृति विहार और माधवपुरम के व्यापारी व स्थानीय नागरिक शामिल हुए हैं।इस बीच पिछले 91 दिन से धरना पर बैठी महिलाओं ने आज हाथ में कटोरा लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। स्टेबैक न छोड़ने के विरोध में की जा रही व्यापारियों और स्थानीय निवासियों की पंचायत शुरू होते ही महिलाओं ने हाथ में कटोरा लेकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। महिलाओं ने रोते हुए सरकार के खिलाफ नारे लगाए। धरना से न उठने और इसे जारी रखने का निर्णय लिया।

व्यापारियों का सवाल- फांसी की सजा बदली जा सकती है, सेटबैक पर पुनर्विचार क्यों नहीं

बैठक का आह्वान आंदोलन से जुड़े व्यापारियों की ओर से किया गया है। आयोजकों का कहना है कि बैठक में आंदोलन की आगे की रणनीति, कानूनी लड़ाई और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगामी कदमों पर चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा। अब व्यापारियों ने सवाल उठाया गया है कि जब फांसी जैसी सजा तक बदली जा सकती है, तो जनहित में सेटबैक नियमों पर पुनर्विचार क्यों नहीं किया जा सकता। साथ ही ₹हमारा अधिकार हमें चाहिए₹, ₹एकता ही हमारी शक्ति₹, ₹सेटबैक नियम पर पुनर्विचार करो₹ और ₹हम लड़ेंगे, जीतेंगे₹ जैसे नारों के जरिए लोगों से आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है।

गौरतलब है कि शास्त्री नगर सहित आवास विकास परिषद की कई योजनाओं में सेटबैक और व्यावसायिक उपयोग को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इस मामले को लेकर व्यापारी लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं और नियमों में राहत की मांग कर रहे हैं। ऐसे में बैठक को आंदोलन की आगामी दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस कमिश्नरेट में तीन एसीपी के तबादले

कमलेश कांत, सौरभ सिंह और कृष्णपाल सिंह को मिली जिम्मेदारी

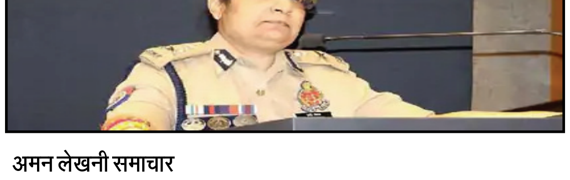

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में प्रशासनिक आवश्यकताओं के दृष्टिगत तीन सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के तबादले किए गए हैं। इस संबंध में पुलिस कमिश्नरेट की ओर से आदेश जारी कर नई तैनातियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। एसीपी कमलेश कान्त को सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय, सेंट्रल नोएडा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं एसीपी सौरभ सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त यातायात, नोएडा बनाया गया है। इसके अलावा एसीपी कृष्णपाल सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त अभिसूचना इकाई (इंटेलिजेंस) में तैनात किया गया है। पुलिस कमिश्नरेट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह स्थानांतरण प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं।

गांवों में नक्शा नीति कागजों तक सीमित

इमारतें बनाकर लीज पर दिए पीजी, सस्ता किराया होने से बढ़ी भीड़

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , मामूरा गांव में रिहायशी इमारत में लगी आग ने शहर के गांवों में चल रहे अवैध पीजी कारोबार और अनियंत्रित निर्माण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस भवन में आग लगी, उसे मालिक ने लीज पर दिया था। लीज लेने वाले ने वहां पीजी और फैमिली रूम संचालित कर रखे थे। शुरूआती जांच में सामने आया है कि न तो पीजी का पंजीकरण था और न ही भवन में आग से बचाव के जरूरी इंतजाम थे। एक कमरे का किराया करीब 12 हजार रुपए बताया जा रहा है। मामूरा का मामला अकेला नहीं है। नोएडा के कई गांवों में इसी तरह बहुमंजिला इमारतें बनाकर उन्हें लीज पर दिया जा रहा है। लीज लेने वाले इन भवनों में पीजी और किराये के कमरे चलाते हैं। कई इमारतों में 50 से 100 तक कमरे बनाए गए हैं। अधिक किराया कमाने की होड़ में वेंटिलेशन, इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी और पार्किंग जैसे जरूरी सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। नोएडा प्राधिकरण ने वर्षों पहले गांवों में अनियंत्रित निर्माण रोकने के लिए नक्शा नीति बनाई थी। इसके तहत आबादी क्षेत्र में भी भवन निर्माण से पहले नक्शा स्वीकृत कराना और तय मानकों का पालन करना अनिवार्य किया गया था। हालांकि यह नीति कभी प्रभावी रूप से लागू नहीं हो सकी। इसका परिणाम यह हुआ कि गांवों में बिना स्वीकृति बहुमंजिला इमारतों का निर्माण लगातार बढ़ता गया।आईटी कंपनियों, फैक्ट्रियों और निजी संस्थानों में काम करने वाले हजारों कर्मचारी और छात्र कम किराये की वजह से मामूरा, सफाबाद, बरौला, हरौला, सलारपुर, भंगेल और नवादा जैसे गांवों के पीजी में रहते हैं।

5 सेकेंड में भरभराकर गिरा दो मंजिला मकान

नाला खुदाई के दौरान कमजोर हुई नींव, बड़ा हादसा होते-होते टला

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र के तिलपता गांव में दोपहर करीब डेढ़ बजे एक निमार्णाधीन दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय मकान के आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मकान 5 सेकंड में ही जमींदोज होता दिखाई दे रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैनाला निर्माण के दौरान कमजोर हुई नींवप्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मकान के पास नाला निर्माण का कार्य चल रहा था। आशंका है कि खुदाई के कारण मकान की नींव कमजोर हो गई, जिससे निमार्णाधीन इमारत अचानक ढह गई। हालांकि, हादसे के सही कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। हादसे के बाद मची अफरा-तफरी ।कान गिरते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने सुरक्षित दूरी से घटना का वीडियो बनाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए मौके पर मौजूद युवक ने बताया- ये तिलप्ता गांव में हुआ है। जेसीबी से नाला खोदा जा रहा था, उसके कारण ये दो मंजिला मकान गिर गया। आसपास कोई नहीं था। कुछ लोग इधर आ रहे थे, लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया था। जैसे-जैसे नाले की खुदाई होती गई और गड्ढा बढ़ता गया। वैसे-वैसे मकान बैठता चला गया और फिर गिर गया। मकान गिरने से बिजली के तारों को भी नुकसान पहुंचा है। नाले का निर्माण ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण करा रहा है। यहां करीब दो महीने से काम चल रहा है जांच में जुटा प्रशासनपुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

गरौठा में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, 57 शिकायतें हुईं प्राप्त

अमन लेखनी समाचार / हेमन्त यादव

गरौठा (झांसी)। माह के तृतीय शनिवार को तहसील गरौठा सभागार में एडीएम झांसी न्यायिक/प्रशासनिक अरुण कुमार गौण की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 57 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 28, पुलिस विभाग की 12, विद्युत विभाग की 8 तथा अन्य विभागों से संबंधित 9 शिकायतें शामिल रहीं। एडीएम अरुण कुमार गौण ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस मौके पर उपजिलाधिकारी गरौठा सुनील कुमार, तहसीलदार अमृतलाल, पुलिस क्षेत्राधिकारी पीयूष कुमार पांडे, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरजीत सिंह, थानाध्यक्ष ककरवई योगेंद्र सिंह, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी हेमन्त कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण योजना बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष महेंद्र सोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गोपेंद्र मिश्रा ने की। बैठक में आगामी बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई तथा संगठन की विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया। इस दौरान मंडल की पूरी टीम, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि महेंद्र सोनी ने कार्यकताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं मंडल अध्यक्ष गोपेंद्र मिश्रा ने सभी कार्यकताओं से सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आग्रह किया। बैठक का समापन संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रम की सफलता के संकल्प के साथ हुआ।

कृषि विकास योजनाओं की समीक्षा, वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को मिली स्वीकृति

जिलाधिकारी ने पारदर्शिता प्राकृतिक खेती एफपीओ सशक्तीकरण एवं किसानों की आय बढ़ाने पर दिया जोर।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मिशन फार आत्मनिर्भरता पल्सेस एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन की एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन, न्यूट्रीसीरियल्स (मिलेट्स) कोर्स सीरियल्स, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (प्राकृतिक खेती), कृषि यंत्रीकरण तथा उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम सहित कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। बैठक में उप कृषि निदेशक राज कुमार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति तथा वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। उपस्थित सदस्यों ने योजनाओं पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि राज्य के भीतर एवं बाहर आयोजित प्रशिक्षण, समूह क्षमता विकास, प्रदर्शन एवं अन्य कृषि कार्यक्रमों का संचालन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने प्राकृतिक खेती, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम एवं दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि अरहर एवं अन्य फसल प्रदर्शनों में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स के उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों के संतुलित एवं न्यूनतम प्रयोग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। किसानों को गोष्ठियों, मेलों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने कृषि उत्पादन संगठनों (एफपीओ) को अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को एफपीओ से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। साथ ही एफपीओ के प्रतिनिधियों को नियमित प्रशिक्षण एवं विभागीय कार्यक्रमों में प्राथमिकता से शामिल किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, सहायक निदेशक रेशम, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टी.डी. मिश्रा, प्रगतिशील कृषक, एफपीओ प्रतिनिधि तथा बनवासी सेवाश्रम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खास समाचार

120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर दो बच्चों संग चढ़ा युवक, घंटों चला हाईवोल्टेज ड्रामा

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। मल्लावां कस्बे के मोहल्ला भगवंत नगर में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक अपने दो मासूम बच्चों के साथ करीब 120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और परिजनों की मदद से युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। बताया जा रहा है कि युवक ने पुलिस और अपने कुछ रिश्तेदारों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। टावर पर चढ़ने से पहले उसने एक नोट भी छोड़ा, जिसमें एक दरोगा, एक सिपाही, अपने साढ़ू और उसकी पत्नी को किसी भी अनहोनी के लिए जिम्मेदार ठहराया है। कई घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे के दौरान पुलिस लगातार युवक को समझाने का प्रयास करती रही। खबर लिखे जाने तक युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास जारी थे। मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी है।

वार्ड संख्या तीन के सभासद रती राम वर्मा ने जनहित के उठाए कई प्रमुख मुद्दे

नाला, अस्पताल, सड़क और कब्रिस्तान जैसे तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित रहे मामले

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)। नगर पालिका परिषद शाहाबाद बोर्ड बैठक में वार्ड संख्या-3 के सभासद रतिराम गौतम ने मोहल्ला सुलेमानी, नगला कल्लू एवं नारायण पुरवा के विकास को लेकर 30 सूत्रीय प्रस्ताव रखे। रतिराम गौतम ने यहां पर वर्षों से लंबित मूलभूत समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से सड़क, नाला, पेयजल, कब्रिस्तान, श्मशान घाट, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों को कराने को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। वार्ड के विभिन्न हिस्सों में आरसीसी सड़कों का निर्माण, जलभराव की समस्या दूर करने के लिए नए नालों और पुलियों का निर्माण कराया जाएगा। अंबेडकर पार्क के सौंदर्याकरण के साथ कब्रिस्तानों में चहारदीवारी, इंटरलॉकिंग और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित करने की भी मांग की। वहीं श्मशान घाट पर चबूतरे, शेड, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी रखा गया है। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्राथमिक विद्यालयों की चारदीवारी ऊंची कराने, परिसर में इंटरलॉकिंग कराने तथा नारायण पुरवा स्थित बारातघर की जर्जर छत के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। वार्ड के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए वाटर कूलर (फ्रीजर) लगाने की भी योजना शामिल है। लोगों को उम्मीद है कि बोर्ड बैठक में इन 30 विकास प्रस्तावों को मंजूरी मिलने के बाद वार्ड संख्या-3 में सड़क, जल निकासी, पेयजल, स्वास्थ्य और सार्वजनिक सुविधाओं के क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

गैंगस्टर एक्ट : दोषी गैंग लीडर दीपू रावत को 2 वर्ष की कैद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व दर्ज हुए गैंगेस्टर एक्ट के मामले में विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर एक्ट सोनभद्र हरिकेश कुमार की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी गैंग लीडर दीपू रावत को 2 वर्ष की कैद एवं 5 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।

हरदोई में पत्नी की सिलबट्टे से हत्या, वारदात के बाद फरार हुए पति को पुलिस ने दबोचा...

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। घरेलू विवाद ने खूनी अंजाम ले लिया। कासिमपुर थाना क्षेत्र के गौरी दायमपुर गांव में शुक्रवार शाम पति-पत्नी के बीच हुए झगड़े के बाद पति ने कथित तौर पर सिलबट्टे से हमला कर पत्नी की हत्या कर दी। सिर पर लगातार वार किए जाने से 35 वर्षीय मोनी की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। पड़ोसियों ने महिला का शव खून से लथपथ पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और कुछ ही देर बाद आरोपी पति को गिरफ्तार करने का दावा किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कुंज बिहारी दिहाड़ी मजदूर है। शुक्रवार देर शाम किसी बात को लेकर उसकी पत्नी मोनी से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि उसने घर में रखे सिलबट्टे से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से मोनी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना है कि कुंज बिहारी शराब पीने का आदी था और आए दिन पत्नी के साथ मारपीट करता था। दंपती का तीन वर्षीय बेटा युवराज है। परिजनों के अनुसार, घर में लगातार हो रहे झगड़ों से परेशान होकर मोनी ने पांच दिन पहले ही बेटे युवराज को अपने जेठ भगवान के बेटे सचिन के साथ दिल्ली भेज दिया था। यही वजह रही कि वारदात के समय मासूम घर पर मौजूद नहीं था। बताया गया कि कुंज बिहारी और मोनी की शादी वर्ष 2017 में लखनऊ में आयोजित एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुई थी। मोनी का मायका लखनऊ के चौक इलाके में है। घटना की सूचना मिलते ही सीओ संडीला संतोष सिंह, कासिमपुर थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ संतोष सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी कुंज बिहारी गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सोनभद्र में संचारी दस्तक अभियान पकड़ी रफ्तार गांव-गांव चल रहा व्यापक जनजागरूकता अभियान

सोनभद्र। में संचारी रोगों की रोकथाम एवं बचाव के उद्देश्य से संचारी अभियान तथा दस्तक अभियान प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। जनपद में 01 जुलाई से संचारी अभियान एवं 11 जुलाई से दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य, पंचायतीराज एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीमों द्वारा गांव-गांव जाकर जनजागरूकता, साफ-सफाई, फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव तथा रोगियों की पहचान का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार संचारी रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है। आशा, आंगनबाड़ी, एएनएम, पंचायत सहायकों एवं प्रधानों के सहयोग से लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक 1,978 विद्यालयों में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता किया गया, 348 ग्राम स्तरीय प्रभात फेरियां, 382 ग्राम सभाएं, 137 संवेदनशील स्थलों का चिन्हांकन तथा 339 स्थानों पर कृंतक नियंत्रण हेतु गोलियों का वितरण किया जा चुका है।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने अफसरों को लगाई फटकार, समयबद्ध निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

अमन लेखनी समाचार

बिलग्राम, हरदोई। तहसील बिलग्राम परिसर में शनिवार को जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विद्युत, जल निगम, समाज कल्याण, खाद्य एवं रसद, पेंशन, आवास तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से लंबित राजस्व मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से विलंब का कारण पूछा और निर्देश दिए कि वरासत सहित सभी राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद एवं अवैध कब्जों से जुड़े मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जांच करने तथा निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत, पेयजल, सड़क तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान पर भी जोर देते हुए कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान कर प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करना है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने भी फरियादियों की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक तथा प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी जे.बी. शैडें के साथ तहसील परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी बिलग्राम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी भावनाथ पाण्डेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए अशोक कुमार मौर्य, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी जे.बी. शैडें, जनपद स्तरीय अधिकारी तथा पुलिस विभाग के सभी संबंधित थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

नीति आयोग-जाइका की संयुक्त टीम ने सोनभद्र का किया दौरा

आकांक्षी ब्लॉक चतरा में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विकास योजनाओं का लिया जायजा।

अइलकर विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र और सलखन फॉसिल्स पार्क का किया निरीक्षण।

सतत विकास लक्ष्यों को गति देने के लिए तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पर हुई चर्चा।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जनपद एवं ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग एवं जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जाइका) के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने जनपद सोनभद्र एवं आकांक्षी ब्लॉक चतरा का भ्रमण कर विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल विकास तथा सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी के साथ बैठक कर विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की। इसके उपरांत चतरा ब्लॉक में आयोजित विकास प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे नवाचारों एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान टीम ने चतरा विकास खंड के अइलकर गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण किया तथा छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से संवाद किया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय ने निपुण भारत अभियान के अंतर्गत जनपद में विद्यार्थियों के अधिगम स्तर को बेहतर बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण कर बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों, स्वास्थ्य एवं पोषण व्यवस्था का अवलोकन किया। इसके पश्चात संयुक्त टीम ने विश्व प्रसिद्ध सलखन फॉसिल्स पार्क का भ्रमण किया। पर्यटन अधिकारी श्री राजेश भारती ने पार्क के ऐतिहासिक एवं भूवैज्ञानिक महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन इसे वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। साथ ही पर्यटन विकास को स्थानीय रोजगार एवं आजीविका से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। इस अवसर पर जाइका की ओर से सुश्री युमिको ओनिशी, सुश्री अयुमी मियागावा, सुश्री हितोमी हमदा, बिनाय पटनायक एवं मोहित सूद, जबकि नीति आयोग की ओर से गौरव कुमार मिश्रा उपस्थित रहे।

सिपाही बना दरोगा, हेड कांस्टेबल बने उपनिरीक्षक

कोन थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने पहनाए स्टार, बोले – मेहनत और अनुशासन से हर मंजिल होती है आसान

अमन लेखनी समाचार

कोन/सोनभद्र। सफलता कभी संयोग से नहीं मिलती, बल्कि वर्षों की मेहनत, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिणाम होती है। थाना कोन में शुक्रवार का दिन इसी प्रेरणादायक संदेश का साक्षी बना, जब एक ओर आरक्षी राम भवन कुशवाहा उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित होकर दरोगा बने, वहीं थाना में तैनात हेड कांस्टेबल त्रिभुवन चंद्र को विभागीय पदोन्नति के बाद उपनिरीक्षक (दरोगा) के स्टार पहनाए गए। दोनों पुलिसकर्मियों की इस उपलब्धि पर थाना परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्रा ने उनके कंधों पर उपनिरीक्षक के स्टार सजाकर नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। थाना परिसर तालियों की गड़गड़ाहट, बधाइयों और उत्साह से गूंज उठा। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों नव-उपनिरीक्षकों का फूल-मालाओं और शुभकामनाओं के साथ स्वागत किया। यह अवसर केवल दो पुलिसकर्मियों की पदोन्नति या चयन का नहीं था, बल्कि उन हजारों युवाओं के लिए भी प्रेरणा का संदेश था जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जनपद देवरिया निवासी राम भवन कुशवाहा पिछले लगभग दो वर्षों से थाना कोन में आरक्षी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। ड्यूटी के साथ-साथ उन्होंने नियमित अध्ययन जारी रखा। दिनभर पुलिस की जिम्मेदारियां निभाने के बाद देर रात तक पढ़ाई करना, सीमित संसाधनों में तैयारी करना और हर चुनौती का डटकर सामना करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। इसी अथक परिश्रम का परिणाम रहा कि उन्होंने उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने जीवन का सपना साकार कर लिया। वहीं त्रिभुवन चंद्र ने वर्षों तक ईमानदारी, अनुशासन और उत्कृष्ट सेवा के बल पर विभाग का विश्वास जीता। उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए उन्हें हेड कांस्टेबल से उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नति मिली। यह उपलब्धि उनके लंबे सेवाकाल, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान मानी जा रही है। इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्रा ने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज की सेवा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राम भवन कुशवाहा और त्रिभुवन चंद्र दोनों ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, ईमानदारी, अनुशासन और सकारात्मक सोच के सामने कोई लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का समय अवसरों का समय है। यदि युवा अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखें, समय का सही उपयोग करें और निरंतर मेहनत करें तो सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी।

पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं को बहला-फुसलाकर सूरत (गुजरात) ले जाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

चोपन - पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं महिला/बालिका सुरक्षा के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना जुगैल पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0- 86/2026 से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। दिनांक 08.07.2026 को थाना जुगैल क्षेत्र के एक निवासी द्वारा सूचना दी गई कि उसकी पुत्री एवं उसके परिजन की नाबालिग पुत्री दिनांक 01.07.2026 से बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। सूचना के आधार पर थाना जुगैल पर गुमशुदगी दर्ज कर तत्काल खोजबीन प्रारंभ की गई। पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश एवं संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। दिनांक 10.07.2026 को दोनों नाबालिग बालिकाएं सकुशल अपने घर वापस आ गईं। उनके बयान एवं विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त विनोद मोदनवाल उर्फ बाबा पुत्र कल्लू हलवाई, निवासी ग्राम भरहरी, थाना जुगैल, मोबाइल फोन के माध्यम से दोनों बालिकाओं के संपर्क में रहता था तथा उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ सूरत (गुजरात) ले गया था। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर थाना जुगैल पर मु0अ0सं0- 86/2026 में धारा 137(2), 64(1) भारतीय न्याय संहिता (इठर) एवं 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। तत्पश्चात थाना जुगैल पुलिस टीम द्वारा दिनांक 17.07.2026 को समय लगभग 11:00 बजे भरहरी तिराहे के पुल के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

समृद्धि वन की स्थापना हेतु 135 फलदार पौधों का किया गया रोपण

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। बामौर रेंज के अंतर्गत शनिवार को ग्राम कचीर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समृद्धि वन की स्थापना की गई। क्षेत्रीय वनाधिकारी बामौर जगदम्बा पाठक के निर्देशन में तथा ग्राम ककरबई के ग्राम प्रधान राजेंद्र तिवारी के मुख्य आतिथ्य में वृन्दावन साहू के खेत पर 135 फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि फलदार वृक्ष न केवल पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं, बल्कि ग्रामीणों की आय बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होते हैं। समृद्धि वन की स्थापना भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए भी लाभदायक साबित होगी। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्राम कचीर हेमन्त कुमार, वन दरोगा रामकुमार, गजेन्द्र सिंह, प्रीतम सिंह, वनरक्षक तेजप्रताप, रोहित कुमार एवं कमलेश तिवारी, रविशंकर, मोनू पाठक एवं बामौर रेंज का समस्त वन स्टाफ तथा ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

ओएमजी 2 का आइडिया मेरा था क्रेडिट तक नहीं दिया गया : परेश

मुंबई। अभिनेता परेश रावल ने अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'ओएमजी 2' को लेकर एक बड़ा दावा किया है। एक्टर ने दावा किया कि 'ओएमजी 2' की कहानी असल में एक आइडिया के तौर पर शुरू हुई थी, जिसे उन्होंने डायरेक्टर अमित राय के साथ मिलकर डेवलप किया था। बाद में उन्हें ही इस कहानी या कॉन्सेप्ट का क्रेडिट नहीं दिया गया। एक्टर ने यह भी कहा कि अक्षय कुमार के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के बाद कहानी में काफी बदलाव किए गए, जिसकी वजह से उन्होंने फिल्म से अलग होने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनकी ओरिजिनल कहानी पिता-बेटे के रिश्ते पर आधारित एक ड्रामा थी, जिसमें यौन शिक्षा, लोगों के बीच बेइज्जती और न्याय के लिए माता-पिता की लड़ाई जैसे मुद्दे शामिल थे।

लाइफ Style

कृति
सनकी लड़की का रोल करना चाहती हूं

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कृति सेनन ने हाल ही में एक बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया। कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'। कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

हॉलीवुड मसाला

बड़े शहरों में द ओडिसी के टिकट काफी महंगे

नई दिल्ली। क्रिस्टोफर नोलन की मच अवेटेड फिल्म 'द ओडिसी' शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है। टिकट की कीमतें चौंकाने वाली हैं। पुणे के आईएनओएक्स मेगाप्लेक्स में रिक्लाइनर सीट की कीमत 3,400 है। मुंबई के लोअर परेल स्थित पीवीआर आइकान, फीनिक्स पैलेडियम में यही सीट 3,100 में मिल रही है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर के पीवीआर आईमैक्स (प्रिया) में टिकट 2,500 तक पहुंच गए हैं। बेंगलुरु में सिनेपोलिस नेक्सस शांतिनिकेतन में एक टिकट 1,950 का है, जबकि आईएनओएक्स साउथ सिटी मॉल में टिकट 1,240 तक मिल रहा है। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट है और एडवांस बुकिंग भी तेजी से हो रही है।

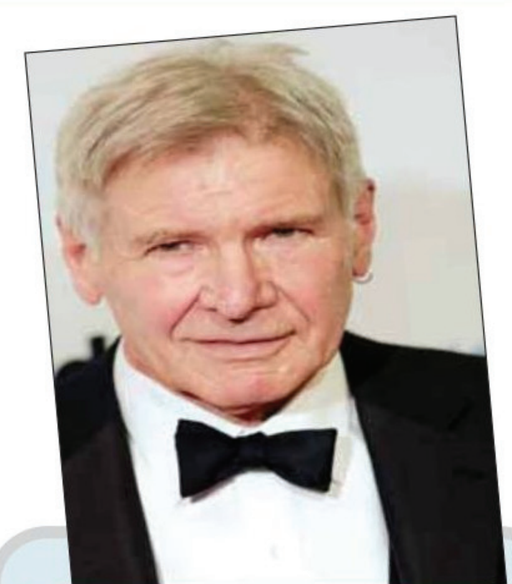

सिनेमा में आने से पहले करता था कारपेंटर का काम

नई दिल्ली। ऐसे कई एक्टर हुए, जिन्होंने अपने स्ट्रगल के दिनों में छोटे- मोटे काम किए और फिर सिनेमा के बड़े स्टार बने. उनके टैलेंट को पूरी दुनिया ने सराहा। आज हम ऐसे ही एक एक्टर के बारे में बताने जा रहे हैं। वो एक्टर हैं हैरिसन फोर्ड। 1960 के दशक के आखिर में संघर्ष कर रहे हैरिसन फोर्ड ने अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए लाइब्रेरी की किताबों को पढ़ कर कारपेंटरी (बढ़ई का काम) सीखी और वह हॉलीवुड सेलेब्स के बीच पसंदीदा कारीगर बन गए। 1975 में जब वह उस ऑफिस में दरवाजा लगा रहे थे, जहां जॉर्ज 'स्टार वॉर्स' के लिए ऑडिशन ले रहे थे। तब फोर्ड से ऑडिशन देने वाले एक्टर्स के साथ डायलॉग पढ़ने के लिए कहा गया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 'हान सोलो' के रोल के लिए चुना गया। फोर्ड 1960 के दशक में हॉलीवुड आए और कोलंबिया पिक्चर्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। उन्हें सिर्फ छोटे-मोटे और असंतोषजनक रोल मिले, जिनसे मुश्किल से ही गुजारा हो पाता था।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

मुंबई। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है। रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

4000 करोड़ की रामायण में भगवान शिव बनेंगे ये एक्टर

नई दिल्ली। नितेश तिवारी की 'रामायण' में भगवान शिव के किरदार के लिए मोहित रैना का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक इस कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इसके बावजूद सोशल मीडिया और फिल्मी गलियारों में लगातार यही दावा किया जा रहा है कि मेकर्स इस अहम भूमिका के लिए मोहित रैना को लेकर काफी उत्साहित हैं। मोहित रैना ने टीवी के पॉपुलर शो 'देवों के देव... महादेव' में भगवान शिव का किरदार निभाकर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। उनकी एक्टिंग, डायलॉग्स और स्क्रीन प्रेजेंस ने इस किरदार को दर्शकों के बीच बेहद खास बना दिया था। यही वजह रही कि आज भी बड़ी संख्या में लोग उन्हें 'महादेव' के नाम से पहचानते हैं। अगर रिपोर्ट्स सही साबित होती हैं तो लंबे समय बाद दर्शकों को एक बार फिर उन्हें भगवान शिव के रूप में देखने का मौका मिल सकता है।

टीवी मसाला

सोनू ने गाया था दूरदर्शन के पॉपुलर शो का गाना

नई दिल्ली। टीवी पर सिर्फ एक धुन बजती थी।.. और अगले ही पल पूरा घर चुप हो जाता था। बच्चों की बातें रुक जाती थीं, बड़े भी अपनी जगह छोड़ने का नाम नहीं लेते थे। जैसे-जैसे गाने की धुन आगे बढ़ती, वैसे-वैसे तिलिस्म और रोमांच से भरी एक नई दुनिया का दरवाजा खुलने लगता था। मजेदार बात ये है कि उस धुन को सुनकर करोड़ों लोगों ने बचपन बिताया, लेकिन उसकी आवाज के पीछे कौन था, ये राज आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरने से पहले एक मशहूर सिंगर ने दूरदर्शन के इस सुपरहिट शो को अपनी आवाज देकर हमेशा के लिए यादगार बना दिया। ये शो था 'चंद्रकांता', जिसने 90s में दूरदर्शन पर आते ही दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था। शो की कहानी जितनी दिलचस्प थी, उसका टाइटल सॉन्ग भी उतना ही खास था। बहुत कम लोग जानते हैं कि इस यादगार टाइटल ट्रैक को सोनू निगम ने अपनी आवाज दी थी। उनकी आवाज ने शो के रहस्यमयी माहौल को ऐसा रंग दिया कि पहली धुन बजते ही लोग टीवी के सामने टिक जाते थे। तिलिस्म, ऐयारी, प्यार और सस्पेंस से भरी चंद्रकांता की दुनिया हर हफ्ते दर्शकों को नई रोमांचक यात्रा पर ले जाती थी। लेकिन शो का टाइटल सॉन्ग भी इसकी सबसे बड़ी पहचान बन गया. उस दौर में ना सोशल मीडिया था और ना ही यूट्यूब, फिर भी लोग इसकी धुन गुनगुनाते थे। यही वजह है कि आज भी ये गाना सुनते ही 90s की ढेर सारी यादें ताजा हो जाती हैं।

आकांक्षा के कारण असहज हो जाते हैं धीरज

नई दिल्ली। टीवी एक्टर धीरज धूपर ने रियलिटी शो "लॉक अपः सच या सजा" में अपनी को-कंटेस्टेंट आकांक्षा चमोला को 'रेड फ्लैग' कहा है, क्योंकि उनके व्यवहार से धीरज को असहज महसूस होता है। शो के आने वाले 'जजमेंट डे' एपिसोड में एक्टर अर्जुन कपूर धीरज से पूछेंगे कि वह आकांक्षा को क्या टैग देना चाहेंगे। आकांक्षा ने पहले खुलकर खुद को 'बाइसेक्सुअल' बताया था और बाद में शो के दौरान खुद को 'एसेक्सुअल' कहा। धीरज ने उन्हें रेड फ्लैग का टैग दिया और इसकी वजह भी बताई। उन्होंने कहा, रेड फ्लैग, जिस तरह से वह व्यवहार करती हैं, उससे मैं असहज हो जाता हूं। उन्होंने पामेला सेरेना के साथ आकांक्षा की करीबी बॉन्डिंग की ओर भी इशारा किया. धीरज की बात सुनकर आकांक्षा नाराज हो गई और कहा- ऐसा लग रहा है जैसे मैं आपको शारीरिक रूप से असहज कर रही हूं। नेटफ्लिक्स के इस शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव (उर्फ लैला) जैसे मशहूर नाम शामिल हैं।

7 महीने की प्रेग्नेंसी में किया ताबड़तोड़ एक्शन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण पर्दे पर कई तरह के रोल कर चुकी हैं। उन्होंने रोमांटिक हीरोन से लेकर एक्शन हीरोइन तक माना जाता है। दीपिका पादुकोण इन दिनों प्रेग्नेंट हैं। लेकिन, इस दौरान भी दिग्गज एक्ट्रेस का जज्बा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दीपिका पादुकोण अपनी तीसरी तिमाही में भी रुके बिना काम कर रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, दीपिका अपनी आने वाली फिल्म राका की शूटिंग लगातार चला रही हैं। आठ घंटे की तय शिफ्ट और वर्क-लाइफ बैलेंस की वकालत के बावजूद वे फिल्म को समय पर पूरा करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं।सात महीने की प्रेग्नेंसी में दीपिका नाइट शिफ्ट्स कर रही हैं और बेहद चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही हैं। मैटरनिटी लीव से पहले वे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने पर पूरा ध्यान दे रही हैं। फिल्म की टीम दीपिका के प्रोफेशनलिज्म से काफी प्रभावित है। टीम के एक सदस्य ने कहा, "दीपिका ने मैटरनिटी ब्रेक से पहले फिल्म पूरी करने का फैसला कर लिया था। कुछ एक्शन सीक्वेंस बेहद मुश्किल और थकाऊ थे, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को पार कर लिया. सेट पर उनका यह जुनून सबके लिए प्रेरणादायक है। साथ ही घर पर उनकी डेढ़ साल की बेटी को भी वे पूरा समय और प्यार दे रही हैं।" राका एटली की महत्वाकांक्षी साइंस-फिक्शन फैंटेसी एक्शन फिल्म है, जिसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में हैं। बड़े बजट वाली इस पैन-इंडिया फिल्म में शानदार विजुअल इफेक्ट्स और दमदार एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे.

बंटवारा 1947 से पहले रिलीज हो रही हैं सनी की ये 3 फिल्में

मुंबई। सनी देओल अगले महीने फिर से पर्दे पर नजर आने वाले हैं। उनकी फिल्म बंटवारा 1947 सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 14 अगस्त को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। लेकिन, उससे पहले सनी देओल की लगातार तीन हफ्ते में तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं। सनी देओल बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में से एक हैं। फैंस उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। आने वाले 20 दिन के अंदर सनी देओल ने तीन बड़ी हिट फिल्में फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं।

कौन-कौन सी फिल्में होंगी रिलीज

दरअसल, पीवीआर इनॉक्स सनी देओल और राजकुमार संतोषी की शानदार विरासत का जश्न मना रहा है। इसके लिए वे 90 के दशक की तीन यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्मों को फिर से रिलीज कर रहे हैं। इस रेट्रोस्पेक्टिव की शुरुआत 24 जुलाई को दामिनी से होगी, इसके बाद 31 जुलाई को घातक और 7 अगस्त को घायल को सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। यह दर्शकों को 14 अगस्त को 'बंटवारा 1947' की रिलीज से पहले बड़े पर्दे पर इन क्लासिक फिल्मों का अनुभव करने का मौका देता है। यह पहल भारतीय सिनेमा की सबसे मशहूर फिल्ममेकर-एक्टर जोड़ी को सम्मान देती है और साथ ही पुराने फैंस और नई पीढ़ी के दर्शकों को इन यादगार फिल्मों को एक बार फिर थिएटर में देखने के लिए आमंत्रित करती है। बात करें फिल्म 'दामिनी' की तो यह फिल्म पहली बार साल 1993 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को बड़े पर्दे पर खूब पसंद किया गया था। 'दामिनी' में सनी देओल के साथ ऋषि कपूर,मीनाक्षी शेषाद्री और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, फिल्म घातक में साल 1996 में सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म ने उस वक्त बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। 'घायल' की सनी देओल के कॅरियर की कल्ट फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1990 में रिलीज हुई थी। इन सभी फिल्मों में सनी देओल के साथ मीनाक्षी शेषाद्री मुख्य भूमिका में थीं।

पर्दे पर शायर बनते-बनते रह गए, लीना के साथ आने वाले थे नजर

57 साल पहले डिब्बा बंद हुई थी अमिताभ की फिल्म

एजेंस ⏭ नई दिल्ली

अमिताभ बच्चन को आज के समय में हिंदी सिनेमा का महानायक माना जाता है। पिछले 6 दशकों से ज्यादा लंबे करियर में अमिताभ ने एक से बढ़कर एक मूवीज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। ज्यादा बातें उनकी हिट फिल्मों की जाती है, लेकिन आज चर्चा बिग बी की उस फिल्म के बारे में होगी, जिसमें अमिताभ बच्चन एक शायर की भूमिका निभाने वाले थे। ये एक बायोपिक मूवी थी और इसकी शूटिंग भी शुरू हो गई थी। लेकिन. फिर बाद में जाकर ये डिब्बा बंद हो गई। आइए जानते हैं कि अमिताभ बच्चन की 57 साल पुरानी वह फिल्म कौन सी थी।

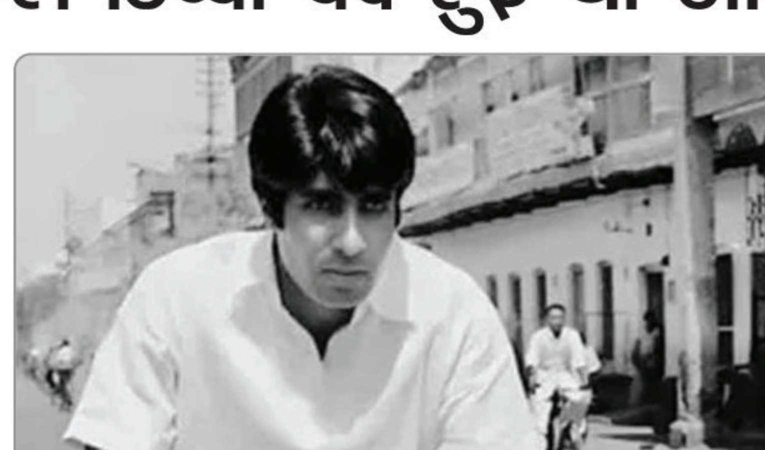

मिर्जा गालिब पर बनी हैं ये फिल्म

अमिताभ बच्चन बेशक पर्दे पर शायर मिर्जा गालिब की भूमिका नहीं निभा पाए। लेकिन, इस शायर की जिंदगी पर बनी सबसे मशहूर फिल्म मिर्जा गालिब (1954) में दिग्गज अभिनेता रहे भरत भूषण ने मुख्य भूमिका निभाकर वाहवाही लूटी थी।

कुछ दिनों की शूटिंग के बाद बंद हो गई

फिल्म की कास्ट के स्क्रीन टेस्ट भी हो गए थे, जिसमें अमिताभ ने सभी को प्रभावित किया। इसी वजह से सवान कुमार ने मिर्जा गालिब के शुरुआती सीन्स को भी फिल्मा लिया था। लेकिन, कुछ दिनों की शूटिंग के बाद मिर्जा गालिब बंद हो गई। आईएमडीबी की रिपोर्ट में ये दावा किया जाता है कि इस मूवी के निर्माताओं का अमिताभ बच्चन की आवाज और दुबले-पतले शरीर को लेकर स्क्रीन प्रजेंस पर संदेह होने लगा। उन्होंने मिर्जा गालिब पर पैसा लगाने से मना कर दिया और सावन कुमार टांक की मूवी से हाथ पीछे खींच लिए। इस तरह से अमिताभ बच्चन और लीना चंदावरकर की मिर्जा गालिब ठंडे बस्ते में चली गई और फिर कभी रिलीज नहीं हो पाई।

सावन कुमार ने बनाई थी फिल्म बनाने की योजना

साल 1969 में आई निर्देशक ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म सात हिंदुस्तानी से अमिताभ बच्चन ने बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इससे पहले एक और ऐसी फिल्म बन रही थी, जिससे बिग बी का डेब्यू हो सकता था। इसी साल निर्देशक सावन कुमार टांक ने एक फिल्म बनाने की योजना बनाई थी, जिसका नाम था- मिर्जा गालिब। जी हां, मशहूर शायर रहे मिर्जा गालिब की बायोपिक में अमिताभ बच्चन को लीड एक्टर के तौर पर चुना गया। उनके साथ इस मूवी में अभिनेत्री लीना चंदावरकर को कास्ट किया गया था। सब कुछ सही चल रहा था।